

महापौर और विधायक ने तरणताल में छलांग लगाकर किया शुभारंभ, 4.07 करोड़ की लागत से नेहरू पार्क स्विमिंग पूल का कार्याकल्प

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हुआ नेहरू पार्क तरणताल, स्वास्थ्य और खेल गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा; महापौर ने नागरिकों से जल संरक्षण की अपील की

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम इंदौर द्वारा नेहरू पार्क स्थित स्विमिंग पूल का लगभग 4 करोड़ 7 लाख 32 हजार रुपये की लागत से जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण किया गया है। नवीन स्वरूप में तैयार तरणताल का लोकार्पण महापौर पुष्पमित्र भार्गव और विधायक महेंद्र हाडिया ने किया। इस दौरान महापौर और विधायक ने नए तरणताल में छलांग लगाकर तथा तैराकी कर इसका शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सामान्य प्रशासन समिति प्रभारी नंदकिशोर पहाड़िया, महापौर परिषद सदस्य अभिषेक शर्मा ‘बबलू’, निरंजन सिंह चौहान, जीतू यादव, पार्षद योगेश गेन्दर, कंचन गिदवानी, राजीव जैन, भावना चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं तैराक मौजूद रहे। सामान्य प्रशासन समिति प्रभारी



नंदकिशोर पहाड़िया ने बताया कि जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के तहत नेहरू पार्क तरणताल में कई आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। इसमें नवीन भवन, नया फिल्टर प्लांट, अंतरराष्ट्रीय स्तर का डाइविंग टावर, पूल में नई टाइल्स, चेंजिंग रूम और शॉवर रूम, मेडिकल रूम,

फिल्टर प्लांट रूम और डेक का निर्माण शामिल है। इसके साथ ही पूल के अंदर आकर्षक लाइटिंग और नवीन विद्युत व्यवस्था भी विकसित की गई है। महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने कहा कि नेहरू पार्क का स्विमिंग पूल इंदौर के इतिहास से जुड़ा है और शहरवासियों की इससे भावनाएं जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि अपने प्रथम कार्यकाल के दौरान यहां निरीक्षण के समय यह महसूस किया गया था कि आने वाले 10 से 15 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तरणताल का व्यापक पुनर्विकास किया जाना आवश्यक है। इसी सोच के साथ नए पूल, फिल्टर प्लांट और भवन सहित विभिन्न विकास कार्य किए गए हैं।

महापौर ने कहा कि नेहरू पार्क तरणताल से अनेक खिलाड़ियों की यादें जुड़ी हैं और यहां प्रशिक्षण लेकर कई खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं। खिलाड़ियों की नियमित प्रैक्टिस और प्रशिक्षण प्रभावित न हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया कि तरणताल परिसर के भवन के ऊपरी हिस्से में जिम और बैडमिंटन जैसी खेल सुविधाएं विकसित करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहर के अन्य क्षेत्रों में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्विमिंग पूल तैयार किए गए हैं, जिन्हें जल्द शुरू किया जाएगा। इससे युवाओं और खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। महापौर ने कहा कि इंदौर को स्वच्छता के साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी आगे ले जाने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। शहर में योग

केंद्रों की शुरुआत और वार्ड स्तर पर योग गतिविधियों के संचालन के साथ ही संजीवनी क्लिनिक जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। आधुनिक स्विमिंग पूल भी स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महापौर ने इस अवसर पर नागरिकों से जल संरक्षण और पानी के सदुपयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि स्विमिंग पूल सहित विभिन्न गतिविधियों में पानी का उपयोग होता है, इसलिए पानी की बर्बादी रोकना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए अभी से घर-घर और मोहल्ले-मोहल्ले में जल संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। सामाजिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी लोगों को पानी बचाने का संदेश देने की अपील की गई। विधायक महेंद्र हाडिया ने नेहरू पार्क

स्विमिंग पूल के जीर्णोद्धार के लिए महापौर, महापौर परिषद और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों के साथ आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को भी अत्याधुनिक सुविधाओं वाले इस स्विमिंग पूल का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि कार्य में समय लगा, लेकिन अब नेहरू पार्क स्विमिंग पूल आधुनिक सुविधाओं के साथ नागरिकों के लिए तैयार है। विधायक ने कहा कि इंदौर के नागरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हैं और नगर निगम द्वारा स्वास्थ्य एवं खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नेहरू पार्क स्विमिंग पूल परिसर में तैराकी के साथ बैडमिंटन और अन्य खेल गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे युवाओं और खिलाड़ियों को एक ही परिसर में विभिन्न खेल सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

विकसित भारत के संकल्प और सेवा भावना को जन-जन तक पहुंचाएगी ‘सेवा ज्योति यात्रा’



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘विकसित भारत’ के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने और सेवा, समर्पण तथा राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित होने वाली ‘विकसित भारत संकल्प सभा-सेवा ज्योति यात्रा’ को लेकर जिला भाजपा की वरचुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों, व्यवस्थाओं और अधिक से अधिक कार्यक्रमताओं एवं नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

वरचुअल बैठक में मंत्री तुलसीराम सिलावट, विधायक मधु वर्मा, जिला महामंत्री अंतर दयाल, पुंजालाल निनामा और रामस्वरूप गहलोत सहित पार्टी के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में पदाधिकारियों ने कार्यक्रमताओं को कार्यक्रम के उद्देश्य और उसकी व्यापकता से अवगत कराया तथा आयोजन को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। भाजपा नेताओं के अनुसार, ‘सेवा ज्योति यात्रा’ का उद्देश्य समाज में सेवा और जनकल्याण की भावना को मजबूत करने के साथ ही विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी का संदेश देना है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल सरकार की योजनाओं और प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय सहभागिता से साकार होगा। जिला भाजपा अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने कार्यक्रमताओं और नागरिकों से अपील की कि वे अपने साथियों सहित कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों और विकसित भारत के संकल्प तथा सेवा की भावना को आगे बढ़ाने में सहभागी बनें। ‘विकसित भारत संकल्प सभा-सेवा ज्योति यात्रा’ का आयोजन 7 अक्टूबर को सुबह 8 बजे विजय नगर थाने के सामने स्थित आईडीए ग्राउंड में किया जाएगा।

गीत और शॉर्ट फिल्म के जरिए जन-जन तक पहुंचेगा सड़क सुरक्षा का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इंदौर यातायात पुलिस द्वारा लगातार विभिन्न जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में 6 अक्टूबर 2026 को पलासिया चौराहे पर सड़क सुरक्षा जागरूकता गीत और शॉर्ट फिल्म का लॉन्चिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले जिम्मेदार नागरिकों, ह्छ्ट कैडेट्स, भारत स्काउट एवं गाइड तथा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त यातायात राजेश कुमार त्रिपाठी सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा का संदेश केवल यातायात पुलिस तक सीमित न रहकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे, इसके लिए जागरूकता के नए और प्रभावी माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान रोड सेफ्टी एनिमेटेड शॉर्ट वीडियो



सराफ, ख्याति सराफ, शौर्य शर्मा, अजय सराफ और शिवानी चौरसिया सराफ को सम्मानित किया गया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता वीडियो ‘पापा की परी’ के माध्यम से यातायात नियमों के उल्लंघन के दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए अभिनेता क्षितिज पवार, डायरेक्टर हृद्वट और उनकी टीम को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में पिछले दो माह से यातायात संचालन और सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में सक्रिय योगदान देने वाले ह्छ्ट की विभिन्न इकाइयों के अधिकारियों और कैडेट्स का भी सम्मान किया गया। कर्नल गौरव दीक्षित के नेतृत्व में ह्छ्ट कैडेट्स द्वारा यातायात व्यवस्था एवं जागरूकता के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए उन्हें शील्ड और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

के निर्माण और सड़क सुरक्षा संदेश को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने के लिए आलोक वाजपेयी, निर्देशक हेराम फिल्म एवं उनकी टीम को सम्मानित किया गया। वहीं ‘नियम से चलो’ सड़क सुरक्षा गीत के माध्यम से यातायात नियमों के पालन का संदेश देने के लिए आर.एम. तिवारी, पूर्वी

मास्टर प्लान सड़क पर रिमूवल कार्रवाई जारी, पिपलियाहाना-बिचौली कांकड़ में हटाए बाधक निर्माण

RE-2 सड़क निर्माण में बाधक तीन बस्तियों में कार्रवाई, शेष दो स्थानों पर कल होगी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में मास्टर प्लान के तहत भूरी टेकरी से नायता मुंडला आरटीओ तक निर्माणाधीन RE-2 सड़क के निर्माण में बाधक मकानों एवं अन्य निर्माणों को हटाने की कार्रवाई निरंतर जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को पिपलियाहाना-बिचौली कांकड़ बस्ती में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन पुलिस और नगर निगम के संयुक्त दल द्वारा कार्रवाई करते हुए सड़क निर्माण में बाधक अवैध कच्चे निर्माणों को हटाया गया।

एसडीएम श्री घनश्याम धनगर ने बताया कि RE-2 सड़क की कुल लंबाई 4.25 किलोमीटर तथा मास्टर प्लान के अनुसार चौड़ाई 45 मीटर है। इसमें से लगभग 3.20 किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। सड़क निर्माण के लिए नगर निगम, ग्राम निवेश विभाग एवं कलेक्टर कार्यालय की संयुक्त टीम द्वारा सीमांकन की कार्रवाई के बाद निर्माण कार्य प्रगतिरत है।

RE-2 के निर्माण में कुल 7 बस्तियां बाधक हैं। इनमें से चार बस्तियां-शांति नगर, पंचमुखी हनुमान मंदिर नायता रोड, स्कंदधाम कॉलोनी तथा



आरटीओ कार्यालय के पास की बस्ती-का व्यवस्थापन प्रधानमंत्री आवास योजना के नीलगिरि परिसर स्थित आवासीय प्रकोष्ठों में किया जा चुका है। शेष शिव नगर, शिव दर्शन नगर एवं पिपलियाहाना-बिचौली कांकड़ में निवासरत परिवारों का व्यवस्थापन किया जाना शेष था।

पिपलियाहाना-बिचौली कांकड़ बस्ती में पूर्व में 325 परिवारों का व्यवस्थापन किया गया था। इनमें से 303 परिवार नियमानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना के नीलगिरि परिसर के आवासीय प्रकोष्ठों में निवासरत हैं। शेष 22 मकानों को न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त होने के कारण पूर्व में नहीं हटया गया था। न्यायालय के निर्णय के क्रम में नियमानुसार कार्रवाई करते हुए इन

परिवारों को आवासीय प्रकोष्ठ आवंटित किए गए हैं तथा व्यवस्थापन के लिए 15 दिवस का नोटिस भी दिया जा चुका है। वहीं, 22 मकानों के अतिरिक्त अन्य लोगों द्वारा अवैध रूप से बनाए गए 58 कच्चे झोपड़ों को हटाने की कार्रवाई आज पिपलियाहाना-बिचौली कांकड़ में की गई।

इसी क्रम में शिव नगर और शिव दर्शन नगर में भी सड़क निर्माण में बाधक निर्माणों को हटाने की कार्रवाई कल की जाएगी। शिव नगर बस्ती में 80 कच्चे-पक्के मकानों में 117 परिवार तथा शिव दर्शन नगर में 55 कच्चे-पक्के मकानों में 72 परिवार निवासरत हैं। इन परिवारों का प्रधानमंत्री आवास योजना के नीलगिरि परिसर के आवासीय प्रकोष्ठों में व्यवस्थापन किया जाना है।

नगर निगम द्वारा सड़क निर्माण में बाधक सभी निर्माणों को नियमानुसार हटकर RE-2 सड़क निर्माण कार्य को निर्धारित गति से आगे बढ़ाने की कार्रवाई की जा रही है। कार्यवाही के दौरान अपर आयुक्त नगर निगम श्री आकाश सिंह, श्री प्रखर सिंह, श्री अभय राजनागकर, एसडीएम श्री घनश्याम धनगर, उपायुक्त पुलिस श्री अमरेन्द्र सिंह आदि उपस्थित थे।

‘हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें’ अभियान जारी, 36 कार्यक्रमों में 4550 से ज्यादा हेलमेट वितरित

इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने पलासिया चौराहे पर चलाया 36वां जागरूकता अभियान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का ‘हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें’ जनजागरूकता अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में 6 अक्टूबर 2026 को पलासिया चौराहे पर इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा 36वां वृहद हेलमेट जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।



पालन के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान ऐसे युवा, बुजुर्ग और जरूरतमंद दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए, जिनके वाहन के पंजीयन, डाइविंग लाइसेंस और अन्य आवश्यक दस्तावेज पूर्ण थे। पुलिस द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के

एवं हेलमेट के महत्व की जानकारी देकर हेलमेट प्रदान किया गया। वहीं, अभियान के दौरान स्वेच्छ से हेलमेट पहनकर वाहन चलाने वाले जिम्मेदार दोपहिया वाहन चालकों की पुलिस अधिकारियों ने प्रशंसा की। ऐसे वाहन चालकों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मान स्वरूप उपहार भी प्रदान किए गए। इंदौर यातायात पुलिस के

अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और हेलमेट के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लगातार ऐसे अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक 36 हेलमेट वितरण एवं जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से 4550 से अधिक जरूरतमंद वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए जा चुके हैं। पुलिस का कहना है कि अभियान का उद्देश्य केवल हेलमेट का वितरण करना नहीं, बल्कि वाहन चालकों में सड़क सुरक्षा को लेकर जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और यातायात नियमों के पालन के लिए जागरूक करना है। यातायात पुलिस द्वारा आगे भी विभिन्न माध्यमों से सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों को लेकर जनजागरूकता अभियान जारी रखे जाएंगे।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यशाला आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नशे के दुष्प्रभावों के प्रति युवाओं को जागरूक करने और उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से थाना विजय नगर परिसर में ‘नशा मुक्त भारत अभियान’ के तहत जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में SKRP Gujarati Homeopathic Medical College, इंदौर के BHMS द्वितीय वर्ष के करीब 40 से 45 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

कार्यशाला का आयोजन थाना प्रभारी विजय नगर निरीक्षक चंद्रकांत पटेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मादक पदार्थों और नशे के शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को स्वयं नशे से दूर रहने के साथ ही अपने मित्रों



और आसपास के लोगों को भी नशे से बचाने के लिए जागरूक किया गया।

कार्यशाला के दौरान नशीले पदार्थों की बिक्री, उपलब्धता अथवा किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी पुलिस को जिम्मेदारीपूर्वक देने के संबंध में भी विद्यार्थियों से चर्चा की गई। युवाओं में नशे की प्रवृत्ति की समय रहते पहचान, रोकथाम और नशे की गिरफ्त में आने से बचाने में परिवार, शिक्षण संस्थानों, समाज और पुलिस की संयुक्त

भूमिका पर भी विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति और जन-जागरूकता से जुड़े विषयों पर पुलिस अधिकारियों के साथ संवाद किया तथा नशे की रोकथाम के व्यावहारिक उपायों को लेकर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक कर उन्हें स्वयं के साथ-साथ समाज में भी सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यशाला के पश्चात विद्यार्थियों को थाना विजय नगर परिसर का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया। इस दौरान उन्हें पुलिस की कार्यप्रणाली और थाने में होने वाली सामान्य गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी गई। पुलिस की ओर से युवाओं से नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी जिम्मेदारीपूर्वक पुलिस तक पहुंचाने की अपील की गई।

अनंत चतुर्दशी चल समारोह में सराहनीय कार्य करने वाले 19 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आम नागरिकों को बेहतर पुलिसिंग उपलब्ध कराने और उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में शुरू किए गए साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के तहत 6 अक्टूबर 2026 को पलासिया स्थित पुलिस कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह ने उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले 19 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

अनंत चतुर्दशी चल समारोह के दौरान सराहनीय कर्तव्य निर्वहन के लिए अतिरिक्त उपयुक्त जेन-2 अमरेन्द्र सिंह, थाना सेंट्रल कोतवाली के निरीक्षक रवीन्द्र पाराशर,



आरक्षक अमन खान और महिला आरक्षक संगीता, थाना एमजी रोड के उप निरीक्षक सचिन त्रिपाठी और प्रधान आरक्षक दिनेश तिवारी, थाना पंढरीनाथ के सहायक उप निरीक्षक अनवर सैयद और आरक्षक सुरेंद्र लोधी तथा थाना सराफा के उप निरीक्षक धर्मवीर सिंह चौहान और सहायक उप निरीक्षक उमाकांत चतुर्वेदी को सम्मानित किया गया।

थाना तेजाजी नगर के निरीक्षक देवेंद्र मरकाम, प्रधान आरक्षक देवेंद्र सिंह परिहार, आरक्षक दीपेंद्र राणा और आरक्षक प्रदीप रावत को ई-साक्ष्य के क्षेत्र में बेहतर कार्यवाही और सराहनीय कर्तव्य निर्वहन के लिए पुरस्कार दिया गया। थाना परदेशीपुरा के उप निरीक्षक दीपक सिंह और मुकेश गुर्जर को सीसीटीएनएस संबंधी कार्य में सराहनीय योगदान के लिए पुरस्कार मिला। आरक्षक ईसागर अली को सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में बेहतर कार्य के लिए तथा आरक्षक शिवेंद्र तिवारी को साइबर हेल्प डेस्क से संबंधित कार्यों में सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसी थाने के आरक्षक भानुप्रताप

किया गया।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट की मूल्यांकन प्रणाली में विभिन्न निर्धारित मानकों पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को भी इस अवसर पर पुरस्कृत किया गया। अगस्त माह की मूल्यांकन प्रणाली में एसीपी परदेशीपुरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था, जबकि थाना चंदन नगर ने भी अपने प्रदर्शन के आधार पर प्रथम स्थान हासिल किया था।

बेहतर कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने एसीपी परदेशीपुरा हिमानी मिश्रा, थाना चंदन नगर प्रभारी तिलक करोले, थाना चंदन नगर के आरक्षक अरुण जाट और महिला आरक्षक पंकी डाबर को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

जनसुनवाई में पहुंचीं 115 शिकायतें, पारिवारिक विवाद से लेकर जमीन और साइबर फ्रॉड तक के मामले

पुलिस कमिश्नर ने आवेदकों से रुबरु होकर सुनी समस्याएं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण और समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में 6 अक्टूबर 2026 को पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई। पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह ने इस दौरान आमजन की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 115



आवेदन प्राप्त हुए। इनमें पति-पत्नी, बेटा-बहू सहित अन्य पारिवारिक सदस्यों के बीच विवाद और प्रताड़ना से जुड़े मामले सामने आए। इसके अलावा नौकरी के लिए दिए गए दस्तावेजों का दुरुपयोग कर फर्जी लोन लेने, युवती की फेक आईडी बनाकर ब्लैकमेल करने, आपसी पैसों के लेन-देन, साइबर और वित्तीय धोखाधड़ी, जमीन,

को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर तथा फोन के माध्यम से भी आवश्यक निदेश देते हुए शिकायतों का त्वरित, प्रभावी और निष्पक्ष निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। पुलिस कमिश्नर ने आमजन को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस अनेक सुखा, न्याय और अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

सुवासरा में राजस्व महकमे की कार्यप्रणाली, अतिक्रमणकारी को बचाने में तीन तहसीलदार की कार्यशैली उपजी

5 हजार स्कायर फीट का बेदखली आदेश हवा में उलझा राजस्व तंत्र, सरकारी जमीन कागजों में हो गई 1400 स्कायर फीट

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की सुवासरा तहसील में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का एक ऐसा हैरत अंगेज कारनामा सामने आया है, जिसने प्रशासनिक निष्पक्षता के दावों की पूरी तरह हवा निकाल दी है। अतिक्रमणकारी को खुला संरक्षण देने के चक्कर में पूरा राजस्व अमला और तीन-तीन तहसीलदार आपस में ही उलझकर रह गए हैं। ग्राम पंचायत किशोरपुरा स्थित रूनीजा मार्ग पर मुख्य मार्ग से लगी 5,000 स्कायर फीट से अधिक कीमती सरकारी जमीन पर रसूखदार का कब्जा आज भी खड़ा है। एम्पी भू-राजस्व संहिता की धारा 248 के तहत बेदखली आदेश पारित होने और 7,000 का जुर्माना वसूलने के 3 माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी शासकीय भूमि को मुक्त नहीं कराया जा सका।

नायब तहसीलदार ने बाउंड्रीवॉल की



साइड फोटो भेजकर सौंपा भ्रामक प्रतिवेदन- प्रशासकीय निष्पक्षता का सबसे बड़ा मखोल नायब तहसीलदार आकाश वसुनिया के कारनामों से उड़ा। उन्होंने पहले तो अपने ही अमले के पंचनामे पर बेदखली का आदेश दिया और जुर्माना वसूला, लेकिन बाद में अपने दिए आदेश से पलटते हुए रसूखदार को क्लीन चिट दे डाली। 29 अगस्त को मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार आकाश वसुनिया ने बाउंड्रीवॉल को साइड से थोड़ा

सा खुलवाकर फोटो करवाया और एसडीएम सीतामऊ को भ्रामक पालन प्रतिवेदन भेज दिया कि %अतिक्रमण हटा दिया गया है%। उन्होंने प्रतिवेदन में लिखा कि संबंधित भूमि अनावेदक अशरफ की निजी जमीन (सर्वे नं. 61/1/1/1/1) है।

सवाल यह है कि यदि जमीन निजी थी, तो पूर्व में स्वयं बेदखली का आदेश और जुर्माना किस आधार पर लगाया व वसूला गया था।

तहसीलदार सुनील पीडीयार के नए दल ने घटा दिया अतिक्रमण- एसडीएम को नायब तहसीलदार द्वारा भ्रामक प्रतिवेदन भेजे जाने के बाद इस पूरे मामले में राजस्व महकमे का एक और नया कारनामा सामने आया। इसके बाद सुवासरा तहसीलदार

सुनील पीडीयार ने फिर से एक नया दल गठित कर अशरफ के कब्जे वाली शासकीय भूमि का दोबारा सीमांकन करवाया। इस दल में राजस्व निरीक्षक रामप्रसाद राठीर, तहसीलदार रामलाल मुनिया और कस्बा पटवारी सहित अन्य पटवारी शामिल थे। इस गठित दल ने 7 सितंबर को मौके पर जाकर सीमांकन किया और तहसील कार्यालय में नया पंचनामा पेश किया। इस नए पंचनामे ने प्रशासनिक साटगांठ की पोल पूरी तरह खोल दी, क्योंकि इसमें अशरफ का अवैध कब्जा 5,000 स्कायर फीट से सीधे घटाकर महज 1,400 स्कायर फीट दर्शा दिया गया।

एक दल का पंचनामा 5 हजार तो दूसरे का सीमांकन के हिसाब से 1400 स्कायर फीट- अब राजस्व महकमे के इस खेल से साफ जाहिर हो रहा है कि भू-माफिया अशरफ और उसकी अवैध बाउंड्रीवॉल को बचाने के लिए तीन-तीन तहसीलदार मैदान में उतर आए हैं। पहले एक तहसीलदार के दल ने जांच कर 5,000 स्कायर फीट का पंचनामा बनाया, बेदखली आदेश दिया और जुर्माना वसूला। फिर नायब तहसीलदार

आकाश वसुनिया ने झूठी फोटो भेजकर कागजों में अतिक्रमण हटाना बता दिया और क्लीन चिट दे दी। इसके बाद मामला दबने के बजाय बढ़ा, तो तहसीलदार सुनील पीडीयार ने दूसरे तहसीलदार रामलाल मुनिया की मौजूदगी वाले दल से 7 सितंबर को नया पंचनामा बनवाकर अतिक्रमण को ही घटाकर 1,400 स्कायर फीट कर दिया। अखिर एक ही जमीन पर राजस्व महकमे के बीच चल क्या रहा है

सीएम हेल्पलाइन वापस लेने पीड़ितों पर दबाव; ग्रामीणों ने मनगढ़ूंत पंचनामे पर दस्तखत से किया इनकार- आरोप है कि कस्बा पटवारी और राजस्व कर्मचारी पीड़ितों पर मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से शिकायतें वापस लेने का निरंतर दबाव बना रहे हैं। वहीं, राजस्व विभाग द्वारा तैयार किए गए मनगढ़ूंत पंचनामे पर ग्रामीणों ने दस्तखत करने से साफ इनकार कर दिया है। यदि जिला प्रशासन और कलेक्टर द्वारा सुवासरा तहसील के राजस्व रिकॉर्ड की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, तो वास्तविकता सामने आएगी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की दी जानकारी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में नागरिकों एवं विद्यार्थियों को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जावी में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में नीमच यातायात थाना प्रभारी श्री मलखान सिंह ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को सड़क पर पैदल चलते समय बरती जाने वाली सावधानियों, सड़क पार करने के सुरक्षित तरीकों तथा वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने के महत्व से अवगत कराया।

उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने, नशे की स्थिति में वाहन नहीं चलाने तथा यातायात संकेतों एवं नियमों का पालन करने की समझाइश दी।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सड़क सुरक्षा केवल वाहन चालकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। विद्यार्थी स्वयं यातायात नियमों का पालन करने के साथ ही अपने माता-पिता, परिवार और आसपास के लोगों को भी सुरक्षित यातायात के लिए प्रेरित करें।

नाबालिग बेटियों के जबरन विवाह का दबाव, विरोध पर अपहरण और जान से मारने की धमकी का आरोप

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जीवन तहसील के ग्राम चीताखेड़ा निवासी एक विधवा महिला ने अपनी नाबालिग बेटियों का जबरन विवाह कराने के लिए दबाव बनाने और विरोध करने पर बेटियों को उठाकर ले जाने सहित परिवार को जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। मंगलवार को महिला ने कलेक्टर जनसुनवाई में आवेदन देकर पूरे मामले की जांच कराने, बेटियों को सुरक्षा सुनिश्चित करने और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

महिला ने आवेदन में बताया कि वह विधवा है और अपने परिवार तथा नाबालिग पुत्रियों एवं पुत्रों के साथ चीताखेड़ा में रहती है। आरोप है कि प्रतापगढ़ जिले की कच्ची बस्ती निवासी एक व्यक्ति अपनी ओर से उसके पुत्रों के साथ महिला की नाबालिग बेटियों का विवाह कराने के लिए लगातार दबाव बना रहा है।

विवाह से इनकार पर धमकाने का आरोप - शिकायतकर्ता महिला



के अनुसार संबंधित व्यक्ति पारिवारिक रिश्तेदारी में आता है। महिला का आरोप है कि इसके बावजूद उसकी नाबालिग बेटियों का विवाह अपने पुत्रों से कराने का दबाव बनाया जा रहा है। जब उसने इस प्रस्ताव का विरोध किया और बेटियों की शादी से इनकार किया तो उसे और उसके परिवार को धमकियां दी जाने लगीं।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि धमकी दी गई कि यदि दोनों नाबालिग बेटियों का विवाह संबंधित परिवार के युवकों से नहीं किया गया अथवा उनका विवाह किसी अन्य व्यक्ति से तय करने का प्रयास किया

से संपर्क होने का भी आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि लगातार मिल रही कथित धमकियों के कारण पूरा परिवार भयभीत है और नाबालिग बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।

पीड़ित परिवार ने कलेक्टर से मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, नाबालिग बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा धमकी देने वाले संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही परिवार को आवश्यक सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी गुहार लगाई गई है।



चर्चा में मजिस्ट्रियल जांच, मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम और दोषियों पर नियमानुसार कार्रवाई सहित अन्य मांगों को लेकर आश्वसन दिया गया। इसके बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया आगे बढ़ सकी।

परिजनों की आपत्ति के चलते काफी समय तक शव को नहीं ले जाया गया। बाद में न्यायिक मजिस्ट्रेट सीरथ बंसल मौके पर पहुंचे। उनके समक्ष परिजनों के बयान दर्ज किए गए। परिजनों ने घटना से जुड़े आरोपों और अपनी मांगों के

संबंध में पक्ष रखा। सरकार की ओर से मामले में तत्काल मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए जाने की जानकारी के बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम के लिए सहमति दी।

परिजनों की ओर से रखी गई प्रमुख मांगें- जयपुर पहुंचे किसान नेता श्यामलाल जोकचंद ने परिजनों की ओर से अधिकारियों के समक्ष मांग पत्र प्रस्तुत किया। इसमें नाबालिग के साथ कथित मारपीट की निष्पक्ष जांच, दोषी पुलिसकर्मीयों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने, मजिस्ट्रियल जांच कराने, मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराने और परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई। परिजनों का कहना है कि जांच में जो भी दोषी मिले, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को गृह ग्राम मनासा खुद ले जाने के लिए रवाना हुए। मामले में अब परिवार को मजिस्ट्रियल जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से न्याय की उम्मीद है।

24 घंटे बाद हुआ ऋतुराज का पोस्टमार्टम, मजिस्ट्रियल जांच के आदेश के बाद परिजनों ने शव लिया

न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष परिजनों के बयान दर्ज, दोषी पुलिसकर्मीयों पर कार्रवाई व आर्थिक सहायता की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जयपुर के मुहाना थाना क्षेत्र में पुलिस कार्रवाई के बाद गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती 16 वर्षीय ऋतुराज लोहार की सोमवार सुबह करीब 3.30 बजे मौत के बाद मंगलवार शाम करीब 4 बजे मेडिकल बोर्ड की पैनल टीम ने पोस्टमार्टम किया। मौत के बाद परिजनों ने पहले पोस्टमार्टम कराने और शव ले जाने से इनकार कर दिया था। परिजनों की मांग थी कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, नाबालिग के साथ मारपीट के आरोपों की जांच हो, दोषी पाए जाने वाले पुलिसकर्मीयों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज किया जाए तथा परिवार को आर्थिक सहायता दी जाए। करीब 24 घंटे तक शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका।

मामले को लेकर मंदसौर जिले से पहुंचे किसान नेता श्यामलाल जोकचंद सहित अन्य लोगों ने जयपुर में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की। परिजनों की ओर से मांग पत्र भी सौंपा गया। अधिकारियों के साथ हुई

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 88 आवेदकों की समस्याएं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 88 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन का नियमानुसार

परीक्षण कर प्राथमिकता एवं निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में फसल बीमा, उपचार के लिए आर्थिक सहायता, प्रधानमंत्री आवास योजना, भूमि एवं अतिक्रमण, पट्टा, राजस्व अभिलेख, नामांतरण, बंटवारा, पशुपालन ऋण, रोजगार सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई के दौरान आवेदक श्रीमती सम्पबाई के पुत्र दीपक के हाथ के उपचार के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। आवेदक श्री रविन्द्र के आवेदन पर संबंधित तहसीलदार को रास्ता खुलवाने की कार्रवाई करने तथा श्री सूरज सुराहा को रेडक्रॉस के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।



पेटल पर नाम दर्ज करने तथा विद्युत बिल संबंधी समस्याएं भी प्रस्तुत कीं।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ लिया जाए तथा आवेदकों की समस्याओं का यथासंभव शीघ्र निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावी कार्रवाई का उद्देश्य यही हो कि नागरिकों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें समय पर राहत मिल सके।

जनसुनवाई में जिला पंचायत सीटिओ श्री अमन वैष्णव, एसडीएम श्री पराग जैन, डिईटी कलेक्टर श्री चंद्रसिंह धावें, सुश्री रश्मि भांडिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पशुधन से समृद्धि की ओर बढ़ता नीमच, आधुनिक डेयरी व्यवसाय बना ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नई रीढ़

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले में आधुनिक डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा देने के प्रयासों को लगातार गति मिल रही है। आधुनिक डेयरी आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नई दिशा दे रही है। मध्यप्रदेश में दूध उत्पादन को बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्प को साकार करने में नीमच जिला महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जिले में प्रतिदिन करीब 9 लाख 87 हजार लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है और 6.4 प्रतिशत की वार्षिक विकास दर के साथ डेयरी क्षेत्र लगातार विस्तार कर रहा है। पशुपालन विभाग की डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना और मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना किसानों और युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर पैदा कर रही हैं।

नौकरी के बजाय गांव में शुरू किया डेयरी व्यवसाय- उपरेड़ा गांव के कुलदीप ने डिग्री हासिल करने के बाद शहर में नौकरी करने के बजाय गांव में ही अपना व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। आर्थिक संसाधनों की कमी उनके सामने बड़ी चुनौती थी, लेकिन डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना से मिले सहयोग ने उनके सपने को नई उड़ान दी।

योजना के तहत 25 उन्नत नस्ल के दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई स्थापित करने की दिशा में उन्होंने कदम बढ़ाया। वर्तमान में उनके फार्म पर सात पशुओं से करीब 70 लीटर प्रतिदिन दूध उत्पादन हो रहा है और वे भविष्य में इसे बढ़ाकर करीब 250 लीटर प्रतिदिन करने का



लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

मेहनत और परिवार के सहयोग से बढ़ा कारोबार- नीमच के किशोर पाटीदार ने भी शासकीय योजना का लाभ लेकर अपना डेयरी फार्म शुरू किया। पशुओं की देखभाल, खान-पान और फार्म के संचालन में उनकी पत्नी ललित पाटीदार भी कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग कर रही हैं। कुछ पशुओं से शुरू हुआ उनका कारोबार आज करीब 120 लीटर प्रतिदिन दूध उत्पादन तक पहुंच गया है। परिवार अब इसे और विस्तार देकर 400 से 500 लीटर प्रतिदिन दूध उत्पादन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है।

दो पशुओं से शुरू हुआ सफर, अब विस्तार का संकल्प- ग्राम जनकपुर के अक्षय के लिए मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना बदलाव का माध्यम बनी। उन्नत नस्ल के दुधारू पशुओं

ने उनके दूध उत्पादन और आय को बढ़ाने का रास्ता खोला। अब उनका लक्ष्य दो पशुओं से चार, चार से छह और आगे लगातार अपने डेयरी व्यवसाय का विस्तार करना है। परिवार भी इस कार्य में उनका पूरा सहयोग कर रहा है। मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना के माध्यम से छोटे पशुपालकों को उन्नत नस्ल के दुधारू पशु उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कृत्रिम गर्भाधान और बेहतर ब्रीडिंग से पशुपालक धीरे-धीरे अपने पशुधन को बढ़ाकर डेयरी व्यवसाय को मजबूत कर रहे हैं।

दूध के साथ जैविक खेती से अतिरिक्त आय- डेयरी व्यवसाय का लाभ केवल दूध उत्पादन तक सीमित नहीं है। पशुपालक गोबर से वर्मी कम्पोस्ट, जीवामृत और गोमूत्र से जैविक कीटनाशक जैसे उत्पाद तैयार कर रहे हैं। इससे खेती की लागत कम होने के साथ

नवम राष्ट्रीय पोषण माह के तहत स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता कार्यक्रम संपन्न



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुष विभाग के अंतर्गत शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय मनासा एवं पिपलिया राजकी द्वारा नवम राष्ट्रीय पोषण माह के तहत स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मनासा के टीकाकरण

केंद्र में 43 तथा पिपलिया राजकी के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-1 में 47 हितग्राहियों ने सहभागिता की। मनासा में किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को आहार विविधता एवं प्रोटीनयुक्त आहार के महत्व की जानकारी दी गई। पिपलिया राजकी में हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक जांच एवं निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधि वितरण किया गया। साथ ही कृमि संक्रमण से बचाव, पोषण एवं उचित आहार-विहार के संबंध में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. मदनलाल पाटीदार एवं डॉ. आबिद खान सहित स्वास्थ्यकर्मियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अन्य सहयोगियों ने सेवाएं प्रदान कीं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत मनासा पोषण पुनर्वास केंद्र में पोषण प्रशिक्षण आयोजित



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मनासा स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र में पोषण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती किरण कामदार ने महिलाओं को बच्चों के समुचित पोषण एवं स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।

प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को स्वच्छता, स्तनपान तथा बच्चों को निर्धारित समय पर ऊपरी आहार शुरू करने के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही बच्चों के समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार देने तथा भोजन में आवश्यक पोषक तत्वों को शामिल करने की जानकारी दी गई।

पोषण प्रशिक्षक श्रीमती ममता योगी द्वारा बच्चों का वजन एवं लंबाई मापी गई तथा माताओं को बच्चों के शारीरिक विकास एवं पोषण स्तर के संबंध में जानकारी दी गई। महिलाओं को स्थानीय एवं आसानी से उपलब्ध खाद्य सामग्री से बच्चों एवं परिवार के लिए पौष्टिक भोजन तैयार करने के लिए विभिन्न पोषणयुक्त रेसिपी की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं एवं अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सम्पादकीय बदलाव का इंतजार

समय बदला, तकनीक बदली, जीवन-शैली बदली, बाजार बदला और फैशन भी बदल गया। महिलाओं को उपभोक्तावादी संस्कृति ने विज्ञापनों और प्रदर्शनों की वस्तु के रूप में प्रस्तुत करने के नए-नए तरीके खोज लिए। किंतु दुखद प्रश्न यह है कि क्या समाज की मूलभूत सोच बदली? क्या बालिका शिक्षा शत-प्रतिशत हो गई? क्या देहेज प्रथा समाप्त हो गई? क्या स्त्री उन्पीड़न इतिहास बन गया?

तुर्भाय से इन प्रश्नों का उत्तर आज भी नकारात्मक है। अनेक समस्याएँ आज भी यथावत बनी हुई हैं, बल्कि कई मामलों में उन्हेनी और अधिक विकराल रूप धारण कर लिया है। विशेष रूप से ग्रामीण भारत में महिलाओं की स्थिति अभी भी अपेक्षित सम्मान और अवसरों से काफी दूर दिखाई देती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसे क्षेत्रों में सुधार तो हुआ है, किंतु वह इतना व्यापक नहीं है कि समाज को संतोष हो सके।

हमारे बुजुर्ग कहते थे कि शिक्षा का प्रसार होगा तो समाज की कुरीतियाँ स्वतः समाप्त हो जाएँगी। स्त्रियाँ पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ेंगी और बेटी को बोझ नहीं, अवसर माना जाएगा। कुछ क्षेत्रों में प्रतिाति अवश्य हुई है, किंतु धरातल पर तत्सीर अभी भी अधूरी है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार देश में 10 वर्ष या उससे अधिक शिक्षा प्राप्त महिलाओं का प्रतिशत बढ़कर लगभग 46.4 प्रतिशत तक पहुँचा है, जो पहले 41 प्रतिशत था। यह सुधार उत्साहजनक है, किंतु इसका अर्थ यह भी है कि आधी से अधिक महिलाएँ अभी भी दस वर्ष की बुनियादी शिक्षा से वंचित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय छोड़ने वाली बालिकाओं की संख्या आज भी चिंता का विषय बनी हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में असमानता का एक कारण बाल विवाह, गरीबी, सामाजिक रुढ़ियाँ तथा सुरक्षा संबंधी चिंताएँ भी हैं। अनेक परिवार आज भी पुत्र की शिक्षा को निवेश और पुत्री की शिक्षा को व्यय मानते हैं। यही सोच आगे चलकर देहेज जैसी कुप्रथा को जन्म देती और इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि शिक्षा और आधुनिकता के दावों के बीच देहेज का दानव आज भी जीवित है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में देहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत 15,489 मामले दर्ज किए गए तथा देश में संबंधित घटनाओं में 6,156 महिलाओं की मृत्यु हुई। अर्थात् प्रतिदिन लगभग 17 महिलाओं ने देहेज की कीमत अपने जीवन से चुकाई। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की व्यापक तत्सीर भी चिंता उत्पन्न करती है। वर्ष 2023 में देशभर में महिलाओं के विरुद्ध लगभग 4.48 लाख अपराध दर्ज किए गए। इनमें सबसे बड़ी संख्या पति अथवा रिश्तेदारों द्वारा वक़रता के मामलों की रही, जो कुल अपराधों का लगभग 30 प्रतिशत है।

यह स्थिति केवल आँकड़ों की कहानी नहीं है; यह उन लाखों बेटियों, बहनों और माताओं की पीड़ा का दस्तावेज है जो आज भी भेदभाव, हिंसा और असमानता का सामना कर रही हैं।

समाज सुधारिका सावित्रीबाई फुले ने कहा था यदि तुम शिक्षित हो जाओगे तो तुन्हें अपने अधिकारों का ज्ञान होगा। वहीं डॉ. भीमराव आंबेडकर का प्रसिद्ध कथन है कि किसी समाज की प्रगति का आकलन उसकी महिलाओं की प्रगति से किया जाना चाहिए। महात्मा गांधी ने भी कहा था यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो केवल एक व्यक्ति शिक्षित होता है, किंतु यदि आप एक स्त्री को शिक्षित करते हैं तो पूरा परिवार शिक्षित होता है। इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद का मानना था कि जिस राष्ट्र ने अपनी स्त्रियों का सम्मान करना नहीं सीखा, वह कभी महान नहीं बन सकता। क्योंकि केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ा देना पर्याप्त नहीं है; आवश्यक यह है कि बालिका शिक्षा को सामाजिक सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और समान अवसरों से जोड़ा जाए। जब तक बेटी को परिवार की उत्तराधिकारी नहीं माना जाएगा, जब तक विवाह को आर्थिक लेन-देन का माध्यम समझा जाएगा, तब तक देहेज की मानसिकता समाप्त नहीं होगी। विडंबना यह है कि एक ओर हम महिला सशक्तिकरण के नारे लगाते हैं, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान चलाते हैं, महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व करते हैं, दूसरी ओर कान्या के जन्म पर चिंता और विवाह के समय देहेज की चर्चा अभी भी अनेक घरों में सामान्य बात मानी जाती है। यह दोहरा सामाजिक चरित्र हमारी सबसे बड़ी चुनौती है। आज आवश्यकता केवल कानूनों की नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना की है। विद्यालयों में लैंगिक समानता के संसारक, परिवारों में बेटियों के प्रति समान व्यवहार, महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता, देहेज लेने-देने वालों का सामाजिक बहिष्कार तथा पंचायत स्तर तक जनजागरण अभियान ही वास्तविक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। यदि हम सचमुच विकसित भारत का स्वप्न देखते हैं तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि बालिका शिक्षा, स्त्री सम्मान और देहेज उन्मूलन केवल महिला युद्द नहीं, बल्कि एक निर्माण के प्रश्न हैं। जिस दिन हर बच्ची निर्भय होकर शिक्षा प्राप्त करेगी, अपने जीवन के निर्णय स्वयं ले सकेगी और विवाह देहेज नहीं बल्कि समानता, सम्मान और प्रेम पर आधारित होगा, उसी दिन हम सच्चे अर्थों में आधुनिक, प्रगतिशील और सम्यक् समाज कहलाने के अधिकारी होंगे।

सुख और दुःख के द्र्वं से परे निर्मल निरानंद का अनुभव है सहजयोग



सहजयोग की साधना में कुण्डलिनी जागरण को आत्म-साक्षात्कार की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण चरण माना जाता है। जब कुण्डलिनी शक्ति साधक के भीतर जागृत होकर विभिन्न चक्रों को पार करती हुई सहस्रार तक पहुँचती है, तब चेतना एक ऐसे अनुभव की ओर अग्रसर होती है जिसे शब्दों में पूर्णतः व्यक्त करना कठिन है। श्री माताजी ने इस अवस्था के आनन्द को अत्यंत सुंदर ढंग से निरानन्द कहा है।

सामान्य जीवन में हम आनन्द को किसी वस्तु, व्यक्ति, उपलब्धि या परिस्थिति से जोड़कर देखते हैं। कोई इच्छा पूरी होती है तो हमें प्रसन्नता मिलती है; कोई प्रिय वस्तु प्राप्त होती है तो सुख अनुभव होता है। परंतु यह आनन्द बाहरी कारणों पर निर्भर होता है और इसलिए स्थायी नहीं रहता। सहस्रार पर पहुँचने वाला आनन्द इससे बिल्कुल भिन्न है। यह किसी बाहरी वस्तु से प्राप्त नहीं होता, बल्कि हमारे अपने भीतर स्थित आत्मा के अनुभव से प्रकट होता है।

श्री माताजी के अमृतवाणी के अनुसार, जब कुण्डलिनी सहस्रार पर आती है तो जो आनन्द प्राप्त होता है उसका नाम 'निरानन्द' है। निः का अर्थ आनन्द के अतिरिक्त कुछ भी नहीं, निरानन्द !

यह कथन अपने भीतर गहरा आध्यात्मिक अर्थ रखता है। यहाँ निरानन्द को केवल आनन्द का अभाव समझना उचित नहीं है। इसके विपरीत, यह उस अवस्था की ओर संकेत करता है जहाँ आनन्द इतना सूक्ष्म, सहज और निरपेक्ष हो जाता है कि वह किसी कारण या अपेक्षा से बंधा नहीं रहता। वहाँ सुख और दुःख के द्वंद से परे एक शांत, निर्मल और संतुलित चेतना का अनुभव होने लगता है।

सहस्रार चक्र मानव चेतना के उत्कर्ष का प्रतीक है। जब कुण्डलिनी इस केंद्र को प्रकाशित करती है, तब साधक के भीतर विचारों की निरंतर गति शांत होने लगती है। मन वर्तमान क्षण में स्थिर होता है और व्यक्ति अपने भीतर की शांति तथा आत्मिक अस्तित्व को भावनात्मक रूप से अनुभव कर सकता है। निरानन्द इसलिए केवल कोई अध्यात्मिक प्रसन्नता नहीं, बल्कि निरपेक्ष आनन्द की अनुभूति है-ऐसा आनन्द जो लेने से नहीं, भीतर जागने से प्रकट होता है। सहजयोग में यह अवस्था साधक को बाहरी संसार से भागने के लिए नहीं, बल्कि उसी संसार में रहते हुए अपने भीतर की शांति और संतुलन को पहचानने की प्रेरणा देती है।

कुण्डलिनी का सहस्रार तक आरोहण हमें यही संदेश देता है कि जिस आनन्द की खोज हम बाहर करते हैं, उसका वास्तविक स्रोत हमारे भीतर ही विद्यमान है। आत्म-साक्षात्कार के उस क्षण में चेतना जब सहस्रार पर स्थापित होती है, तब आनन्द किसी उपलब्धि का परिणाम नहीं रहता वह स्वयं हमारे अस्तित्व का स्वाभाविक स्वरूप बन जाता है। यही है – निरानन्द।

बेहतर विकल्प एवं जरूरी मुद्दों का अभाव ही विपक्ष की अक्षमता

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि यहां कोई भी सरकार स्थायी नहीं होती और कोई भी विपक्ष हमेशा के लिए विपक्ष नहीं रहता। सत्ता के लंबे कार्यकाल के बाद स्वाभाविक रूप से सरकार के प्रति उकताहट पैदा होती है। लेकिन उकताहट और सत्ता परिवर्तन के बीच एक बड़ा अंतर है। मतदाता किसी सरकार से नाराज हो सकता है, उसके कामकाज पर सवाल उठा सकता है, फिर भी केवल नाराजगी के आधार पर किसी ऐसे विकल्प को स्वीकार नहीं करता, जिसके पास देश के भविष्य की स्पष्ट रूपरेखा न हो, जो सत्ता का लालची एवं बेहतर विकल्प से वंचित हो। आज भारतीय राजनीति में विपक्ष के सामने मूल प्रश्न यही है-क्या वह केवल सरकार से असंतुष्ट है या जनता के सामने कोई विश्वसनीय विकल्प भी रख रहा है? राहुल गांधी लंबे समय से यह सवाल उठा रहे हैं कि मोदी सरकार के प्रति अपेक्षित एंटी-इंस्केंबेसी दिखाई क्यों नहीं देती। उनका आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी और ‘वोट चोरी’ के कारण जनता की वास्तविक इच्छा सामने नहीं आ पा रही। इन आरोपों के समर्थन में उनके द्वारा प्रस्तुत दावों को लेकर राजनीतिक और कानूनी बहस जारी है, उन्हें अंतिम रूप से सिद्ध तथ्य मानना अभी उचित नहीं होगा। लेकिन इतना जरूर है कि चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची और निर्वाचन आयोग की पारदर्शिता पर उठने वाले प्रत्येक प्रश्न का निष्पक्ष और तथ्यात्मक उत्तर मिलना लोकतंत्र के हित में है।

इसी संदर्भ में एसआईआर यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विवाद महत्वपूर्ण हो गया है। निर्वाचन आयोग स्वयं एसआईआर-2026 से संबंधित मतदाता सेवाएं और मतदाता सूची उपलब्ध करा रहा है तथा वह अपने को स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण बताता है। दूसरी ओर विपक्ष ने इस प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इस विवाद को अब सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती मिली है। इस पूरे मामले का अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक नारों से नहीं, संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया से निकलेगा। यहीं विपक्ष की राजनीति की असली परीक्षा शुरू होती है। चुनाव आयोग के विरुद्ध आंदोलन करना विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है।

बदलते भारत के अनुरूप बने यूपीएससी

देश के शासन-प्रशासन में युवाओं की मेरिट के आधार पर और निष्पक्ष भर्ती के लिए एक अक्टूबर, 1926 को शुरू हुई संस्था संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर लिए हैं। सरदार वल्लभ भाई पटेल के सपनों के अनुरूप 1950 में इसका नाम संघ लोक सेवा आयोग रखा गया था। यह तसल्ली की बात है कि इस संस्था पर अब तक कोई बड़ा दाग नहीं लगा है। हाल में प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस पक्ष की सराहना की और सिके एवं टिकट भी जारी किए, लेकिन बदलते भारत और 21वीं सदी में क्या इतना ही पर्याप्त है? यूपीएससी में सुधार के लिए कई पक्षों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। इस साल मई में हुई यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा में ज्यादातर प्रश्न ऐसे थे, जिनका हमारे विश्वविद्यालयों की शिक्षा से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं था। प्राप्रंभिक परीक्षा और सी-सेट पर पिछले दस वर्षों में लगातार अंगुली उठती रही है। इस बात का सुबूत यह भी है कि अंतिम परिणाम में टापर करने वाले ज्यादातर उम्मीदवार प्रारंभिक परीक्षा में लगातार फेल होते रहे और फिर अचानक अंतिम परिणाम में टापर्स बन गए। इसकी गंभीरता को देखते हुए संसदीय समिति ने भी यूपीएससी में प्राथमिक परीक्षा में सुधार की तुरंत सिफारिश की है। प्रारंभिक परीक्षा पर संदेह होने की वजह से मुख्य परीक्षा तक देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं नहीं जा पा रही हैं। आरक्षित वर्ग के प्रमाण-पत्र का मुद्दा भी बड़ा है।

इंडब्यूएसएस, ओबीसी आदि के फर्जी प्रमाण-पत्र की बाढ़ आई हुई है। दो साल पहले पूजा खेडकर का मामला कई हफ्तों तक सुर्खियों में रहा था। तब कई गड़बड़ियाँ सामने आईं। ओबीसी का नकली सर्टिफिकेट, दिव्यांग का सर्टिफिकेट, नाम में परिवर्तन क्या बिना अधिकारियों की मिलीभगत के संभव था? ओबीसी और त्रीमी लेयर का मामला भी सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि 2025 की परीक्षा में सफल हुए आईएएस, आईपीएस और दूसरे अधिकारी अभी तक मसूरी में ज्वाइन नहीं कर पाए हैं। पहले मसूरी में हर वर्ष एक सितंबर से ये अधिकारी नौकरी-प्रशिक्षण शुरू करते थे। यूपीएससी और नौकरशाही को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। प्रश्न संस्थान की साख का है। आखिर 25 लाख युवा आयोग की तरफ एक यकीन से देख रहे हैं। इसलिए जटिलता में कोई ऐसा कदम नहीं उठाना चाहिए, जिससे यूपीएससी की विश्वसनीयता पर दाग लगे। लगभग 15 साल पहले

मुख्य परीक्षा में एपिक्स का पेपर फलू किया गया था। क्या उसके वांछित परिणाम आ रहे हैं? ऐसा लगता तो नहीं, क्योंकि दर्जनों अधिकारी अपनी ट्रेनिंग के दौरान ही या शुरू के पांच वर्षों में भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए हैं।

–**सुनील कुमार महला**

मतदाता सूची में यदि किसी पात्र नागरिक का नाम गलत ढंग से हटाया गया है तो उसका विरोध होना चाहिए। यदि किसी अधिकारी ने नियमों का उल्लंघन किया है तो उसकी जांच होनी चाहिए। लेकिन लोकतंत्र की रक्षा केवल आयोग के विरोध से नहीं होगी। लोकतंत्र की रक्षा तब होगी जब विपक्ष जनता को यह भी बताए कि सत्ता मिलने पर वह शिक्षा, रोजगार, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य, शहरी जीवन, कानून-व्यवस्था और प्रशासन में क्या बदलेगा।

यही वह बिंदु है जहां ‘वोट चोरी’ का राजनीतिक विमर्श जनता के रोजमर्रा के सवालों से टकराता है। एक सामान्य परिवार को बच्चों की महंगी शिक्षा की चिंता है। रोजगार की बदलती प्रकृति, एआई और नई तकनीक के कारण पारंपरिक कौशल तेजी से अप्रासंगिक हो रहे हैं। डिग्री लेने के बाद भी रोजगार की गारंटी नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल की घटनाएं युवाओं के विश्वास को चोट पहुंचाती हैं। ऐसे में युवा यह जानना चाहता है कि अगली सरकार परीक्षा व्यवस्था को कैसे विश्वसनीय बनाएगी, स्कूलों की गुणवत्ता कैसे सुधारेगी और बदलती तकनीकी अर्थव्यवस्था के लिए करोड़ों युवाओं को तैयार कैसे करेगी। किसान की समस्या भी केवल एमएसपी या आंदोलन तक सीमित नहीं है। फसल आने पर कीमत गिर जाती है और कुछ महीने बाद वही प्याज, टमाटर या दूसरी सब्जियां महंगी हो जाती हैं। इसका समाधान केवल विरोध में नहीं, बल्कि गांव-कस्बे तक भंडारण, कोल्ड-चेन, प्रसंस्करण, कृषि बाजार और मूल्यवर्धन की मजबूत व्यवस्था में है। विपक्ष यदि कृषि सुधारों का विरोध करता है तो उसे यह भी बताना होगा कि वह वैकल्पिक कृषि ढांचा किस तरह खड़ा करेगा।

रोजगार का प्रश्न इससे भी बड़ा है। भारत की युवा आबादी को उद्योग, विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, अनुसंधान और नई तकनीक से जोड़ना होगा। निवेश के लिए स्थिर कानून-व्यवस्था, पारदर्शी प्रशासन और भरोसेमंद कारोबारी वातावरण जरूरी है। केवल बड़े उद्योगपतियों पर राजनीतिक प्रहार या संपत्ति की गणना जैसे नारों से रोजगार पैदा नहीं होते। विपक्ष यदि संपत्ति के पुनर्वितरण या सामाजिक न्याय की बात करता है तो उसे साथ ही यह भी बताना होगा कि संपत्ति और अवसर कैसे पैदा किए जाएंगे। ‘जितनी आबादी, उतना हक्’ जैसी राजनीति

बेहतर विकल्प देने में अक्षम विपक्ष

उन्के सामने विकल्प क्या हैं? राहुल और उनका राजनीतिक धड़ा आईएनडीआईए ऐसा क्या नया पेश कर रहा है, जो मौजूदा सरकार से बेहतर हो। मोहभंग होने का मतलब जमीन छोड़कर अंधे कुएं में कूदना थोड़ी है? चुनौतियों की बात की जाए तो एक सामान्य भारतीय परिवार के लिए बच्चों की शिक्षा मकान के किराए के बाद दूसरा सबसे बड़ा खर्च बन चुकी है। इसका कारण यही है कि सरकारी स्कूलों के खराब स्तर के कारण बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाना पड़ता है और ऊपर से कोचिंग भी करानी पड़ती है। लाखों खर्चने के बाद भी बच्चों को रोजगार नहीं मिलता, क्योंकि सूचना-तकनीकी और एआई क्रांतियों के कारण उन कौशलों की मांग लगातार बदल रही है, जो रोजगार के लिए आवश्यक हैं। मौजूदा शिक्षा उसके साथ कदमताल नहीं बिठा पा रही।

मोदी सरकार ने गांधी जी की नई तालीम पर आधारित नई रोजगारोन्मुख शिक्षा नीति लागू तो की है, लेकिन पर्याप्त बुनियादी सुधारों और शिक्षकों के प्रशिक्षण के बिना वह अपेक्षित सुधार ला पाएगी, इसमें संदेह है। परीक्षा प्रणाली भी नकल और लोक माफिया के जाल में फंस चुकी है। क्या राहुल और उनके गठबंधन की पार्टियों के पास इस विकराल समस्या के समाधान की कोई योजना है? गुंज समारोहों में छात्रों को उकसाने से क्या होगा, जबकि नकल को बढ़ावा देना तो आईएनडीआईए के राजद जैसे दलों की ही नीति रही है?

मोदी सरकार बड़ी संख्या में औद्योगिक रोजगारों के सृजन की आशा के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन करीब ढाई कार्यकाल पूरे होने के बाद भी वह ऐसी आशाएं अपेक्षित रूप से पूरी नहीं हो पाई है। क्या आईएनडीआईई की कोई ठोस योजना है, जिससे उद्योग-धंधों का सृजन हो सके? बिहार, बंगाल और पूर्वी उत्तर प्रदेश में सिंडिकेट, रंदादरी, माफिया और बाहुबलियों के आतंक से कानून व्यवस्था इतनी खराब होती गई कि वहां निवेश का जोखिम कोई नहीं उठाना चाहता। चाहे भी तो आईएनडीआईए के कुछ दलों का नाम ही उसे भगाने के लिए काफी है। राहुल स्वयं कहते हैं कि किसके पास कितनी संपत्ति है, इसका हिसाब एक्स-रे सर्वेक्षण से लिया जाएगा।

महंगाई, कमजोर रुपया और महंगे तेल का दबाव, आरबीआई के सामने फिर दरें बढ़ाने की बड़ी चुनौती

भारतीय रिजर्व बैंक का अगस्त की मौद्रिक नीति में चौंकाने वाली कोई बात नहीं थी। केंद्रीय बैंक की नीतिगत दरें तय करने वाली संस्था मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रीपो दर को 5.25 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा। नीतिगत दर और तटस्थ रुख दोनों पर निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा के अगस्त के नीतिगत वक्तव्य में भविष्य के लिए कोई निर्देश नहीं था क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून, अल नोनो, भूराजनीति और वैश्विक व्यापार नीति के कारण परिदृश्य में अनिश्चितता व्याप्त थी। लेकिन दो सप्ताह बाद जब एमपीसी की बैठक का सक्षिप्त ब्योरा जारी किया गया तब निकट भविष्य में दरों में वृद्धि के संकेत देखे जा सकते थे। इसके पीछे बहती समग्र मुद्रास्फीति और खाद्य, ईंधन और कच्चे माल की कीमतों में इजाफे जैसी वजह थीं।

मल्टीजना नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखने और तटस्थ रुख के हिमायती थे लेकिन एमपीसी में उनके वक्तव्य का अंत कुछ इस प्रकार हुआ, ‘मैं महंगाई की दिशा को लेकर और अधिक स्पष्टता आने तक इंतजार करना पसंद करूंगा’यानी यह देवना जरूरी होगा कि हमारा अनुमान क्या है और महंगाई किस स्तर तक सामान्य होकर स्थिर हो सकती है। इसके बाद ही नीतिगत दर में किसी बदलाव पर विचार किया जाना चाहिए। हमें इस जोखिम को लेकर भी सतर्क रहना होगा कि खाद्य पदार्थों, ईंधन और अन्य कच्चे माल की ऊंची कीमतें महंगाई में व्यापक बढ़ोतरी का रूप ले सकती हैं और महंगाई संबंधी उम्मीदों को अस्थिर कर सकती हैं। यदि इन जोखिमों के वास्तविक रूप लेने के कोई संकेत मिलते हैं तो मौद्रिक नीति को सख्त करने की जरूरत पड़ सकती है।

अगस्त से वैश्विक मौद्रिक नीति ने व्यापक तौर पर सख्त रुख अपनाया है। मुद्रास्फीति का दबाव बना हुआ है, सॉवरिन बॉन्ड रिटर्न में इजाफा हुआ है और ईंधन की ऊंची लागत के कारण कई केंद्रीय बैंकों को दरों में वृद्धि करनी पड़ी। यकीनन कुछ केंद्रीय बैंकों ने घरेलू वृद्धि को समर्थन देने के लिए नीति को िक्षित करना शुरू किया।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व, यूरोपीय केंद्रीय बैंक और बैंक

सामाजिक प्रतिनिधित्व के प्रश्न को सामने लाती है, लेकिन आज की चुनौती प्रतिनिधित्व के साथ-साथ क्षमता निर्माण की भी है। पिछड़े, दलित, आदिवासी और कमजोर वर्गों के बच्चों को अच्छी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और अवसर मिलें-यह सामाजिक न्याय का अधिक स्थायी आधार है। केवल आंकड़े गिनना पर्याप्त नहीं, उन आंकड़ों के पीछे खड़े मनुष्य का जीवन बदलना जरूरी है। इस पूरे परिदृश्य में ममता बनर्जी की भूमिका विशेष चर्चा का विषय बनी है। राष्ट्रीय विपक्षी राजनीति में उनकी भूमिका को लेकर नया विमर्श अवश्य उभरा है। हाल की इंडिया गठबंधन की बैठक में उन्होंने विपक्ष का दायरा बढ़ाने और व्यापक एकता की आवश्यकता पर जोर दिया। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इंडिया गठबंधन का सबसे बड़ा संकट केवल भाजपा से मुकाबला नहीं, बल्कि उसके भीतर का परस्पर अविश्वास है। सीटों का बंटवारा, क्षेत्रीय वर्चस्व, नेतृत्व का प्रश्न और राज्यों में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने वाली पार्टियों का राष्ट्रीय स्तर पर साथ आना आसान नहीं है। आज की स्थिति में आप का चुनाव आयोग तक प्रस्तावित मार्च से अलग रहकर अपना रास्ता अपनाना भी इस अंतर्विरोध को दिखाता है।

कांग्रेस, गुणमूल, समाजवादी पार्टी, वामपंथी दल, राजद, आप और दूसरे क्षेत्रीय दल जब अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग राजनीति करते हैं, तब राष्ट्रीय मंच पर उनका साझा न्यूनतम कार्यक्रम क्या है? जनता इसी का उत्तर चाहती है। चुनाव आयोग के मुद्दे पर भी यही कसौटी लागू होती है। इंडिया गठबंधन ने 6 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग तक मार्च सहित विरोध कार्यक्रम घोषित किए हैं और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई है। यह आंदोलन संवैधानिक प्रश्नों को सार्वजनिक बहस के केंद्र में ला सकता है। लेकिन यदि विपक्ष का पूरा राजनीतिक अभियान केवल एक व्यक्ति के इस्तीफे तक सीमित रह गया, तो इससे समाज-तकनीकी और पर व्यापक विश्वास का प्रश्न हल नहीं होगा। उसे यह भी बताना होगा कि सत्ता में आने पर निर्वाचन आयोग की नियुक्ति, मतदाता सूची, ईवीएम-वीवीपैट, चुनावी चंदे और चुनावी पारदर्शिता को लेकर वह कौन से संस्थागत सुधार

बड़ा प्रश्न है कि सत्ता की पात्रता को विकसित करने के लिये विपक्ष क्यों नहीं जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर सकारात्मक राजनीति को बल देती। वास्तव में विपक्ष के सामने सबसे बड़ा संकट मुद्दों की कमी नहीं, मुद्दों को समाधान में बदलने की क्षमता का है। बेरोजगारी है, शिक्षा का संकट है, कृषि की समस्या है, स्वास्थ्य का खर्च है, महंगाई की चिंता है, शहरी प्रदूषण है, एआई से बदलती नौकरियां हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की प्रतिस्पर्धा का प्रश्न है। जनता इन सबको प्रतिदिन महसूस करती है। लेकिन राजनीतिक विमर्श बार-बार मोदी बनाम कौन, राहुल बनाम मोदी, ईवीएम बनाम बैलेट और आयोग बनाम विपक्ष की बहस में सिमट जाता है। भारतीय मतदाता सरकार से मोहभंग होने पर भी यह देखता है कि उसके सामने विकल्प क्या है। वह जमीन छोड़कर अंधे कुएं में छत्रांग नहीं लगाता। उसे ऐसा विपक्ष चाहिए जो सरकार की कमियां गिनाने के साथ अपनी क्षमताएं भी बताए, जो केवल सत्ता की आलोचना नहीं, शासन का वैकल्पिक मॉडल प्रस्तुत करे, जो चुनाव आयोग से बवाल पूछे तो अपनी चुनावी पारदर्शिता की कसौटी भी सामने रखे, जो सामाजिक न्याय की बात करे तो शिक्षा और अवसर का रास्ता भी बताए, जो उद्योगपतियों से सवाल करे तो निवेश और रोजगार की अपनी नीति भी स्पष्ट करे।

लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही जितनी जरूरी है, विपक्ष की जवाबदेही भी उतनी ही जरूरी है। सत्ता से मोहभंग लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन उस मोहभंग को राजनीतिक परिवर्तन में बदलने के लिए विश्वसनीय विकल्प चाहिए। आज इंडिया गठबंधन के सामने चुनौती भाजपा और रॉरेंद्र मोदी से लड़ने से बड़ी है-उसे जनता के मन में यह विश्वास पैदा करना है कि उसके पास भारत के अगले दशक की कोई स्पष्ट, ठोस और क्रियान्वित कल्पना होगी नहीं है। विपक्ष यदि यह विश्वास पैदा कर पाया तो चुनाव आयोग का मुद्दा भी लोकतांत्रिक सुधार की सार्थक बहस बनेगा, ममता बनर्जी की भूमिका भी सार्थक होगी और राहुल गांधी के सवाल भी व्यापक राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें।

–**ललित गर्ग**

कुछ बड़े उद्योगपतियों के दानवीकरण में भी वे लगे रहते हैं। ऐसे राजनीतिक माहौल में उद्योग-धंधे और उन पर आधारित रोजगार कैसे पनप सकेंगे?

दुनिया में एआई जनित मशीनी क्रांति की दौड़ में टिके रहने पर मंथन हो रहा है। नई प्रतिभाओं को खोजा और विकसित किया जा रहा है, ताकि शोध, आविष्कार और नवाचार की दौड़ में आगे रहा जा सके। वहीं, राहुल %(जितनी आबादी-उतना हक्% के नारों के साथ अतीत के अन्याय का हिसाब करने में लगे हैं। कभी सचिवालय में पिछड़े वर्ग की गिनती करते हैं, कभी शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों में, तो कभी सेना के अफसरों में। जिस संविधान की रक्षा का दम भरते हैं, उसी की धारा 45 में दस साल के भीतर पूर्ण साक्षरता लाने का निर्देश था, जिससे उनकी पार्टी की सरकारें पूरा नहीं कर पाईं। यदि उसे समय पर पूरा करते हुए हर सरकारी स्कूल में सबको अच्छे प्राइवेट स्कूलों जैसी शिक्षा दी गई होती तो शायद आज उन्हें यह गिनती न करनी पड़ती।

संभव है कि सरकार से कुछ मोहभंग हो रहा हो, पर उसे भुनाने के लिए विकल्प क्या हैं? कांग्रेस ने किसान आंदोलन का साथ दिया। कृषि सुधारों को काला कानून कहकर दल करा लिया। अब कोई पूछे कि हर गांव-कस्बे में फसलों के भंडारण और प्रसंस्करण के लिए किसके पास क्या योजना है, ताकि जिस प्याज-टमाटर के दाम बेमौसम आसमान छूने लगते हैं, उन्हें फसल के समय फेंकना न पड़े?

इसलिए सुधारों का विरोध उन्हें रोकने की जगह उनमें बेहतरी के लिए होना चाहिए। लगभग हर लोकतांत्रिक देश में विपक्ष अवैध घुसपैठ की रोकथाम की मांग कर रहा है, लेकिन भारत में उलटा है।

लगभग हर देश में मतदाता सूचियों से मृतकों और विस्थापितों के नाम हटाकर उन्हें दुरुस्त रखा जाता है। भारत में इसका भी विपक्ष हो रहा है और लोग बस देख रहे हैं, क्योंकि वे शायद समझ चुके हैं कि बेहतर विकल्प के बिना केवल मोहभंग में सरकारें गिराने से कुछ हासिल नहीं होता।

–**धनंजय राजौरा**

समय समाप्त हुआ जो 11 वर्षों का सबसे सूखा मॉनसून रहा। चालू तिमाही में खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक के सहशशीलता दायरे की ऊपरी सीमा (6 फीसदी) को पार कर सकती है। अगस्त में रिजर्व बैंक ने तीसरी तिमाही के लिए खुदरा महंगाई का अनुमान 5.9 फीसदी पर बरकरार रखा था और चौथी तिमाही के अनुमान को 10 आधार अंक बढ़ाकर 5.5 फीसदी कर दिया था। आश्चर्य नहीं होगा यदि वह तीसरी तिमाही के लिए महंगाई का अनुमान एक बार फिर बढ़ा दे।

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 7.8 फीसदी की दर से बढ़ा जो बाजार के आम अनुमान के साथ-साथ रिजर्व बैंक और वैश्विक एजेंसियों के अनुमानों से भी बेहतर रहा। पहली तिमाही में कंपनियों का मार्जिन बढ़ा और वित्त वर्ष की पहली छमाही में भी यह रुझान जारी रहा। बैंक ऋतु वृद्धि भी सितंबर के मध्य तक 18.1 फीसदी के मजबूत स्तर पर रही जो अर्थव्यवस्था में वास्तविक उत्पादन और उसकी संभावित क्षमता के बीच अंतर के कम होने का संकेत है। इसके चलते कई वैश्विक एजेंसियों ने भारत की वृद्धि को लेकर अपने अनुमान बढ़ा दिए। हाल ही में एसएंडपी ग्लोबल और एशियाई विकास बैंक ने इसे 6.6 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया। फिच ने इसे 6.4 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी और आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने 6.3 फीसदी से बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया।

अगस्त में रिजर्व बैंक ने पहली तिमाही के जीडीपी वृद्धि अनुमान को 40 आधार अंक बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया और दूसरी तिमाही के अनुमानों को 10 आधार अंक बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया लेकिन तीसरी और चौथी तिमाही के अनुमानों को अपरिवर्तित रहने दिया। मौजूदा वृद्धि और महंगाई की स्थिति को देखते हुए इस सप्ताह दर में बढ़ोतरी लगभग तय मानी जा रही है लेकिन इस समय यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि यह चक्र कितने समय तक चलेगा। दिसंबर में कम-से-कम एक-और बढ़ोतरी हो सकती है।

–**डॉ. सुधाकर आशावादी**

परिवार एवं समाज की बर्बादी नशें से ही शुरू होती हैं - अखिल विश्व गायत्री परिवार

अखिल विश्व गायत्री परिवार का 206 वाँ नशा मुक्ति सेमिनार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत लगातार देश भर में नशाबंदी रैली, नाटक एवं सेमिनार के माध्यम से लोगों को नशे के विरुद्ध जागृत करने का अनवरत प्रयास किया जा रहा है, इसी कड़ी में गायत्री शक्तिपीठ देवास की टीम द्वारा होमगार्ड जिला कार्यालय परिसर में सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स टीम के बीच 206 वाँ नशा मुक्ति सेमिनार का आयोजन किया गया।

गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान को लेकर गायत्री शक्तिपीठ की टीम से जिला समन्वयक बाबूलाल खंडेलवाल, जिला युवा समन्वयक प्रमोद



निहले, वरिष्ठ परिजन सुभाष जैन, लक्ष्मण पटेल, सालिंगराम सकलेचा, सुरेन्द्र दुबे एवं मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी पहुंचे जिन्होंने जवानों को संबोधित किया। नशा मुक्ति सेमिनार की शुरुआत लक्ष्मण पटेल

द्वारा प्रेरक नशा मुक्ति गीत से की दारू ना पीना भैया.... पागल फिरेगे तुम बाजार में.... भूखे मरेगे बच्चे, बीवी रहेंगी इंतजार मे- यह गीत युवाओं को बहुत ही पसंद आया व

खुब ताली बजाई तत्पश्चात सेमिनार को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक बाबूलाल खंडेलवाल एवं जिला युवा समन्वयक प्रमोद निहले ने कहा कि आज श्रेष्ठ युवाओं की भारत माता को जरूरत है। जो देश को नशामुक्त करने में अपनी अहम भूमिका निभाए। आज के समय में नशा पूरे समाज में फैल गया है जो समाज के लिए अभिशाप है। परिवार एवं समाज की बर्बादी नशें से ही शुरू होती है और अंततः परिणाम दुखदाई होता है। सामाजिक बलि कुप्रथा पर भी विस्तार से चर्चा करते हुए संबोधित किया ये कुप्रथाएं समाज को खोखला बना रही हैं। अंधविश्वास से हम निर्जीव पशुओं को बलि देते हैं और जघन्य अपराध कर देते है जिसका परिणाम समाज को भी भुगतना पड़ता है। कंपनी कमांडर वीणा कौशल ने

कहा कि नशे से समाज में अपराध बढ़ते हैं, इस बुराई को हमें समाज से हटाने की जरूरत है। आयोजन में मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने युग ऋषि द्वारा रचित नवयुग का संविधान (युग निर्माण सत्संकल्प) के 18 सूत्रों को सारगर्भित शब्दों में समझाते हुए वाचन किया एवं उपस्थित सभी वॉलंटियर्स को नवयुग के संविधान की कॉपी भेंट की गई । आयोजन में जिला कमांडेंट राजेश जैन, कंपनी कमांडर वीणा कौशल एवं गायत्री परिवार के सालिंगराम सकलेचा व सुरेन्द्र दुबे का विशेष सहयोग रहा। नशा मुक्ति सेमिनार का सफल संचालन सुभाष जैन ने किया एवं कंपनी कमांडर वीणा कौशल ने आभार मानते हुए गायत्री परिवार के आयोजन की सराहना की एवं ऐसे कार्यक्रम अनवरत करने की अपील की।

ग्रामीणों की मदद से धराया लुटेरा, एक साथी फरार सोयाबीन लेकर मंडी जा रहे व्यापारी को किया था लूटने का प्रयास

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दुपाड़ा चौकी पुलिस ने एक पिकअप चालक के साथ मारपीट कर लूटने का प्रयास करने वाले आरोपी को ग्रामीणों की मदद से गिरफ्तार किया है। हालांकि बदमाश का एक साथी वहां से भागने में सफल हो गया जिसकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब 12.30 बजे इमरान सोयाबीन से भरी पिकअप लेकर देवास मंडी जा रहा था। इसी दौरान पंचोर फंटे के पास मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों ने पिकअप को ओवरटेक कर रुकवाया तथा फरियादी को वाहन से नीचे उतारकर



उसके साथ मारपीट करने लगे। आरोपियों द्वारा फरियादी इमरान की जेब से उसका पर्स भी छीन लिया। इसी दौरान एक आरोपी पिकअप में से सोयाबीन उतारने लगा। पीछे से आ रही अल्टो कार के चालक द्वारा बीच-बचाव का प्रयास करने पर आरोपियों में से एक ने अल्टो कार पर पत्थर मारे और वहां से भाग गया। घटना के दौरान फरियादी इमरान एवं ग्रामीणों की मदद से एक

आरोपी को मौके पर पकड़ लिया गया। आरोपी को चौकी दुपाड़ा लाकर पूछताछ करने पर उसने अपना नाम सचिन पिता कमल निवासी रूलकी बताया तथा अपने साथी का नाम गोलू पिता ललित निवासी रूलकी बताया। प्रकरण में प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना के दौरान आरोपी सचिन से पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी द्वारा माह सितंबर में भोपाल से मोटरसाइकिल चोरी करने भी बताया गया। पुलिस द्वारा आरोपी के कब्जे से एक लाख रुपये से अधिक कीमत का मशरूका बरामद किया गया है। प्रकरण में फरार अन्य आरोपी गोलू पिता ललित, निवासी रूलकी की तलाश जारी है।

विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति पर बताए अपने विचार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम भरड़ स्थित शासकीय विवेकानंद उमावि में मध्य निषेध सप्ताहअंतर्गत संवाद एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जहां विद्यार्थियों ने अपने विचार व्यक्त किए। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशन एवं प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ के मार्गदर्शन में युवा प्रकोष्ठ एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विद्यालय में संवाद कार्यक्रम एवं मां उमिया ज्ञानपीठ विद्यालय में निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। संवाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वका कमलेश कुमार अवस्थी (भूतपूर्व एन.सी.सी. अधिकारी एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य), विशेष अतिथि देवीलाल नाहर वरिष्ठ कार्यकर्ता गायत्री परिवार भरड़ एवं अध्यक्षता प्राचार्य मयाराम पाटीदार ने की। विद्यार्थियों ने संवाद कार्यक्रम में सक्रियता से भाग लिया और नशामुक्त भारत के निर्माण हेतु अपने विचार साझा किये। साथ ही अपने परिवार सहित गांव व क्षेत्रवासियों को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों के जीवन में नशे से दूरी एवं व्यक्तित्व निखार के लिये हाएिए न हिम्मत पुस्तक का वितरण किया गया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग युवा कार्यकर्ता दिलीप कुमार व अनिल सौराष्ट्रीय का रहा। कार्यक्रम का संयोजन अभियान प्रभारी मनोज कुमार जायसवाल ने किया और विद्यार्थियों से देश और प्रदेश को नशामुक्त करने हेतु सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

घर में अकेली महिला पर पड़ोसी ने किया हमला, समाजजनों ने सौंपा ज्ञापन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम दुपाड़ा में अकेली बुजुर्ग महिला गीता बाई विश्वकर्मा पर पड़ोसियों ने हमला किया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। समाज के प्रतिनिधियों ने एसपी कार्यालय पहुंचकर आरोपियों पर सख्त कार्रवाई और पुलिस पर सुनवाई न करने का आरोप लगाते हुए ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के अनुसार 3 अक्टूबर को दोपहर करीब 1.30 बजे गीता बाई घर पर अकेली थीं। उनके बेटे और पोती मौजूद नहीं थे। आरोप है कि पड़ोस के पवन ठाकुर, धीरज ठाकुर और रामकृष्ण ठाकुर ने घर के सामने से रेत हटाने की बात पर विवाद किया।

ट्रेचिंग ग्राउंड के बाहर डंपर ने बच्ची को कुचला, जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में बने ट्रेचिंग ग्राउंड के बाहर खेल रही एक मासूम को कचरा खाली करने जा रहे नगर पालिका के डंपर ने कुचल दिया जिससे बालिका घायल हो गई। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उसका उपचार किया जा रहा है और वह खतरे से बाहर है। इधर हादसे के बाद चालक डंपर सहित वहां से भाग निकला।

बताया जा रहा है कि डंपर जब ट्रेचिंग ग्राउंड की तरफ तेजी से बढ़ा तो बालिका सोनम घबराकर भागने लगी। इसी दौरान वह बेकाबू डंपर के पिछले पहिए की चपेट में आ गई। हादसे के तुरंत बाद चालक मौके का



फायदा उठाकर डंपर समेत भाग निकला। हालांकि परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल

पहुंचे और समय पर उपचार शुरू कर दियाया। डॉक्टरों के अनुसार समय पर इलाज मिलने से बच्ची की स्थिति फिलहाल सामान्य और खतरे से बाहर है। बच्ची के पिता राकेश ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही नगर पालिका प्रशासन हकत में आया और बच्ची के पूरे इलाज का खर्च उठा रहा है। नगर पालिका

फायदा उठाकर डंपर समेत भाग निकला। हालांकि परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल

सोएमओ भूपेंद्र कुमार दीक्षित ने भी इस बात की पुष्टि की है कि बच्ची का समुचित इलाज

नवरात्रि में माता टेकरी को शराब-मांस मुक्त रखने की मांग, इटावा मार्ग पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक की मांग

शिवसेना-युवासेना ने डिप्टी कलेक्टर को सौंपा आवेदन, श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर रखी मांगें

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मां चामुंडा एवं मां तुलजा भवानी की पावन नगरी देवास में नवरात्रि पर्व के दौरान देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता टेकरी पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की आस्था और धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए शिवसेनाड्ड्युवासेना ने नवरात्रि के नौ दिनों तक माता टेकरी क्षेत्र एवं आसपास शराब तथा मांस-मटन की दुकानों का संचालन बंद रखने की मांग की है। साथ ही इटावा मार्ग पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण उत्पन्न यातायात समस्या को देखते हुए भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने एवं यातायात को वैकल्पिक मार्ग से डायवर्ट करने की मांग भी प्रशासन के माध्यम से की जा रही है।



वातावरण बनाए रखने के लिए नवरात्रि अवधि में शराब एवं मांस-मटन की दुकानों को बंद रखा जाना चाहिए। साथ ही क्षेत्र में प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई। इटावा मार्ग पर भारी वाहनों के डायवर्जन की मांग- प्रतिनिधिमंडल ने इटावा क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्य के कारण रोजाना बन रही जाम की स्थिति का मुद्दा भी उठाया। शिवसेना ने बताया कि मार्ग सीमित होने के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। नवरात्रि में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से इस मार्ग पर यातायात का दबाव

और बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए नवरात्रि के दौरान इटावा मार्ग पर भारी वाहनों का प्रवेश रोककर उठाव वैकल्पिक मार्ग से डायवर्ट करने, छोटे वाहनों और पैदल श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था करने की मांग की गई। साथ ही इटावा से आरके होटल होते हुए बिज तलक नवरात्रि समाप्त होने तक नई खुदाई का कार्य रोकने तथा जहां पूर्व में खुदाई हो चुकी है, वहां लंबित निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कर मार्ग को सुरक्षित एवं यातायात योग्य बनाने की मांग रखी गई। शिवसेनाड्ड्युवासेना ने प्रशासन से नवरात्रि प्रारंभ होने से पहले आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का आग्रह किया, ताकि माता टेकरी आने वाले श्रद्धालुओं को धार्मिक वातावरण के साथ सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। इस अवसर पर शिवसेना वरिष्ठ नेता ठाकुर श्रवण सिंह बेस, जिला प्रभारी विजय जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष लखन टिपानिया, जिला महासचिव नितिन पटेल, जिला महामंत्री रतेश गुप्ता, नगर अध्यक्ष शिवम चतुर्वेदी, सरवन सिंह राठौड़ सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यहां पूरे साल नजर आती हैं कौवों की फौज, शर्मा परिवार की छत पर डेरा डाले रहते हैं कौवे, श्राद्ध पक्ष में भी छत पर पहुंचते हैं पक्षी

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पक्षियों की कुछ प्रजातियां विलुप्ति की कगार पर हैं। इनमें अब धीरे-धीरे कौवे भी शामिल हो रहे हैं जो अब कम ही दिखाई देते हैं। लेकिन जिले के कालीसिंध का रहने वाला शर्मा परिवार की छत पर हर सुबह कौवों की फौज जमा हो जाती है। जो घर वालों के हाथों से भोजन करने के बाद ही वहां से जाते हैं। यह केवल श्राद्ध पक्ष की बात नहीं बल्कि पूरे साल शर्मा परिवार की छत पर यह नजारा देखा जा सकता है।

पितृ पक्ष यानी श्राद्ध पक्ष को सनातन धर्म में पितरों के स्मरण, तर्पण और दान-पुण्य का विशेष महत्व माना गया है। इसी परंपरा को जीव दया से जोड़ते हुए अकोदिया क्षेत्र के ग्राम कालीसिंध का



शर्मा परिवार अन्नूटी मिसाल पेश कर रहा है। विद्यम शर्मा, संतोष शर्मा और उनका परिवार श्राद्ध पक्ष में ही

छत पर पहुंचते हैं। भोजन रखते ही आसपास के कौवे छत पर पहुंचने लगते हैं। उनकी कांव-कांव की

नहीं, बल्कि पूरे वर्ष सुबह उठकर पशु-पक्षियों के लिए भोजन, दाना और पानी की व्यवस्था करता है। शर्मा परिवार की दिनचर्या में जीव सेवा अब नियमित हिस्सा बन चुकी है। सुबह होते ही परिवार के सदस्य भोजन लेकर घर की

आवाज से ऐसा प्रतीत होता है जैसे वे भोजन के लिए परिवार को बुला रहे हों। नियमित भोजन मिलने के कारण कौवों का सुबह छत पर पहुंचना अब रोज का दृश्य बन गया है। गौमाता और श्वानों की भी करते हैं सेवा- परिवार केवल कौवों के लिए ही नहीं बल्कि गायों, श्वानों सहित अन्य बेजुबान जानवरों के लिए भी दाना-पानी और भोजन उपलब्ध कराता है। परिवार का मानना है कि बेजुबान जीव अपनी भूख-प्यास नहीं बता सकते, इसलिए उनकी जरूरत को समझकर भोजन-पानी उपलब्ध कराना ही सच्ची जीव सेवा है। परिवार के विद्यम शर्मा का कहना है कि पितरों की शांति और कृपा के लिए मृक प्राणियों की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं है। श्राद्ध पक्ष में कौवों को भोजन

कराने की परंपरा को वे पूर्वजों के प्रति श्रद्धा के रूप में निभाते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार कौवे को पितरों का प्रतीक माना जाता है और कौवे को माध्यम से दिया गया भोजन पितरों तक पहुंचने की धारणा है। कई परंपराओं में कौवे को यमराज का दूत और सदोपाह्वक भी माना गया है।

सेवा के लिए किसी खास दिन का इंतजार नहीं शर्मा परिवार का कहना है कि जीव सेवा केवल श्राद्ध पक्ष तक सीमित नहीं होनी चाहिए। वर्षभर अपनी क्षमता के अनुसार पशु-पक्षियों के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था की जा सकती है। कालीसिंध में शर्मा परिवार के घर की छत पर सुबह गुंजन वाली कौवों की कांव-कांव अब उनकी जीव सेवा की पहचान बन गई है।

पोषण, मातृत्व स्वास्थ्य जागरूकता संवाद एवं आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम संपन्न



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, कृष्णाजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय, देवास की राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेडक्रॉस इकाई द्वारा आंगन का उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत पोषण, मातृत्व स्वास्थ्य जागरूकता संवाद एवं आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन सेवा संकल्प अभियान के तहत किया गया। यह कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ. संजय गाडगे के मार्गदर्शन में आईसीडीएस देवास, शहरी आंगनवाड़ी केंद्र, तुकोगंज गवली मोहल्ला वार्ड क. 34/1, भवानी सागर, देवास में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पोषण आहार के रूप में फल, खिलौने एवं बच्चों के अध्ययन हेतु उपयोगी चार्ट भेंट किए गए। डॉ. लीना दुबे ने बच्चों से संवाद कर स्वच्छता एवं पौष्टिक भोजन के महत्व पर प्रकाश डाला तथा उपस्थित महिलाओं को मातृत्व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर रासेयो कार्यक्रम अधिकारी के साथ एनएसएस स्वयंसेवक शुभम कुमावत, मुस्कन लोधी, खुशबू लोधी, कुमकुम राठौर सहित 10 स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। उक्त जानकारी युवा पर्यटन क्लब एवं रेडक्रॉस प्रभारी जितेन्द्र सिंह राजपूत ने दी।

देवास में कार्बाइड गन एवं कैल्शियम कार्बाइड के अनधिकृत उपयोग, भंडारण और विक्रय पर रोक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास में आम नागरिकों की सुरक्षा, जान-माल की रक्षा, लोक स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ऋतु राज सिंह ने कैल्शियम कार्बाइड तथा लोहे, धातु अथवा पीवीसी पाइप में विस्फोटक पदार्थ भरकर अत्यधिक ध्वनि व धमका उत्पन्न करने वाले अवैध पटाखों यानी -कार्बाइड गन- के निर्माण, आयात, भंडारण, विक्रय, प्रदर्शन एवं किसी भी रूप में उपयोग पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। कैल्शियम कार्बाइड एक अत्यंत संवेदनशील, ज्वलनशील एवं विस्फोटक रसायन है, जिसका अनधिकृत भंडारण व दुरुपयोग जनसुरक्षा के लिए बेहद घातक सिद्ध हो सकता है। जारी आदेश के अनुसार कोई भी व्यापारी, फर्म अथवा लाइसेंसधारी प्रतिष्ठान कैल्शियम कार्बाइड को खुले बाजार में या अनधिकृत व्यक्तियों को सीधे विक्रय नहीं करेगा। यह सामग्री केवल विधिवत अनुमत व लाइसेंसशुदा परिसर में ही रखी और उपयोग की जा सकेगी। जिले में 500 किग्रा से अधिक भंडारण क्षमता वाले समस्त फॉर्म-टुट्टूट्टू लाइसेंसों तथा संबंधित रासायनिक गोदामों का राजस्व, पुलिस एवं संबंधित तकनीकी विभाग के संयुक्त दल द्वारा तत्काल भौतिक सत्यापन किया जाएगा। सभी अश्विक्त प्रतिष्ठानों को दैनिक प्राप्ति-बिक्री रजिस्टर का नियमित संभारण करना अनिवार्य होगा। क्षमता से अधिक भंडारण अथवा अनधिकृत बिक्री जाने जाने पर लाइसेंस तत्काल निर्यात या निरस्त किया जाएगा। उल्लंघन करने पर दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर सक्सेना और तिलवारी ने सुनी समस्याएं, 97 आवेदन हुए प्राप्त, निराकरण के दिये निर्देश



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर संजीव सक्सेना और कन्हैयालाल तिलवारी ने आवेदकों की समस्याएं सुनीं।

जनसुनवाई में 97 आवेदन प्राप्त हुए। जिनपर त्वरित सुनवाई करते हुए डिप्टी कलेक्टर द्वय ने समस्याएंओं के निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि भूमि का सीमांकन, बैंक खाते में जमा राशि दिलाए जाने, जलकर में रियायत दिलाई जाने, बिजली बिल कम कराने, पेंशन शुरू कराने, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, नामांकन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटवाने, कृषि भूमि का नामांतरण कराने, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। आवेदनों पर सुनवाई करते हुए डिप्टी कलेक्टर द्वय ने जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर जतिन ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

व्यापारियों को बैंक से नहीं मिली राशि, खरीदी रोकी

भड़के किसानों ने मंडी में किया हंगामा, मंडी गेट पर भी जड़ दिया ताला

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एबी रोड स्थित कृषि उच्च मंडी में मंगलवार दोपहर अचानक सोयाबीन की खरीदी बंद हो गई। इससे किसानों को परेशानी हुई। जब व्यापारियों से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि बैंक से राशि नहीं मिली इसलिए खरीदी नहीं की जा सकती। इस बात पर किसान भड़क गए और हंगामा शुरू कर दिया।



विधायक के आश्वासन पर माने किसान- एबी रोड से गुजर रहे विधायक अरूण भीमवार ने जब हाईवे पर किसानों की भीड़ देखी तो वे भी वहां रुक गए। इसके बाद उन्होंने किसानों से चर्चा कर जानकारी ली और प्रशासनिक अधिकारियों से भी

बात की। वहीं व्यापारियों से भी कहा कि वे किसानों के लिए राशि का प्रबंध करें। क्योंकि कोई वाहन किराये पर लेकर आया है तो कोई किसी दूसरे का वाहन लेकर यहां आया है जिनके लिए रोज-रोज एसी व्यवस्था जुटाना संभव नहीं है। उन्होंने किसानों से भी शांत रहने की अपील की। जिसके बाद हंगामा शांत हो गया। हंगामा करने लगे। समाचार लिखे जाने तक किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी था।

आंदोलन की दी चेतावनी - किसानों ने बताया कि कई किसान ऐसे हैं जो रोज वाहन से यहां नहीं आ सकते। सुबह से हम यहां भूखे बैठे हैं और व्यापारी कहते हैं कि उनके पास पैसे नहीं हैं। हम मंडी प्रशासन से मांग करते हैं कि जिनके पास पैसे की व्यवस्था नहीं होती उन्हें लाइसेंस ही नहीं देना चाहिए। वहीं किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही हमारी समस्या का समाधान नहीं होता है तो हम सभी किसान कलेक्टर के पास जाकर वहां धरना देंगे।

कराने की परंपरा को वे पूर्वजों के प्रति श्रद्धा के रूप में निभाते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार कौवे को पितरों का प्रतीक माना जाता है और कौवे को माध्यम से दिया गया भोजन पितरों तक पहुंचने की धारणा है। कई परंपराओं में कौवे को यमराज का दूत और सदोपाह्वक भी माना गया है। सेवा के लिए किसी खास दिन का इंतजार नहीं शर्मा परिवार का कहना है कि जीव सेवा केवल श्राद्ध पक्ष तक सीमित नहीं होनी चाहिए। वर्षभर अपनी क्षमता के अनुसार पशु-पक्षियों के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था की जा सकती है। कालीसिंध में शर्मा परिवार के घर की छत पर सुबह गुंजन वाली कौवों की कांव-कांव अब उनकी जीव सेवा की पहचान बन गई है।

राष्ट्र रक्षा में प्राण न्योछावर करने वाले अमर शहीदों का 10 अक्टूबर को नागेश्वर धाम में होगा सामूहिक तर्पण

सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर 23वें वर्ष आयोजित होगा अनूठा श्रद्धांजलि अनुष्ठान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश की स्वाधीनता और रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले ज्ञात-अज्ञात अमर बलिदानियों की आत्मशान्ति व मोक्ष की कामना को लेकर सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर एक बार फिर आस्था और राष्ट्रभक्ति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। आगामी 10 अक्टूबर को सुबह 9 बजे नागेश्वर धाम स्थित पवित्र कुंड तट पर सामूहिक तर्पण एवं वैदिक श्राद्ध कर्म का भव्य आयोजन किया जाएगा।

भारत माता मंदिर शहीद गैलरी संस्था के संस्थापक शेखर यादव एवं कार्यक्रम संयोजक कन्हैयालाल गुर्जर ने बताया कि मातृभूमि के वीर सपूतों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का यह अनुष्ठान इस वर्ष अपने 23वें वर्ष में प्रवेश कर



रहा है। यह आयोजन अखंड आश्रम के संत स्वामी विशुद्धानंदगिरी जी महाराज के पावन

सानिध्य में संपन्न होगा, जिसमें पंडित सुरेशचंद्र शर्मा द्वारा शास्त्रोक्त विधि-विधान और वेद मंत्रों

के साथ सामूहिक तर्पण कराया जाएगा। धार्मिक अनुष्ठान एवं जल तर्पण संपन्न होने के पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा भारत माता की महाआरती उतारी जाएगी। इसके बाद उपस्थित जनसमूह अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण करेगा। तत्पश्चात धूप एवं पूजन-अर्चन कर देश के वीर सपूतों को नमन किया जाएगा। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला यह कार्यक्रम बदनावर क्षेत्र में राष्ट्रभक्ति और जन-आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है। अपनी माटी के वीर महपुरुषों और गुमाना नायकों का स्मरण करने के लिए बदनावर नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचल से बड़ी संख्या में नागरिक एवं श्रद्धालु नागेश्वर धाम पहुंचकर अमर बलिदानियों को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।



के अभाव में कई किसानों को अपने खेत खाली छोड़ने की स्थिति बन रही है, जिससे अन्नदाता आर्थिक एवं मानसिक रूप से परेशान है।

बड़वाया ने शासन से 60 हजार प्रति हेक्टेयर विशेष राहत पैकेज किसानों के खातों में सीधे जमा कराने की मांग की। साथ ही सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8 हजार प्रति क्विंटल करने की मांग रखी है।

उन्होंने कहा कि सूखे की स्थिति को देखते हुए किसानों के कृषि बिजली बिल एवं बकाया बिल पूर्णतः माफ किए जाएं। इसके

अलावा राष्ट्रीयकृत, सहकारी एवं ग्रामीण बैंकों से लिए गए केसीसी सहित सभी कृषि ऋण माफ किए जाएं तथा ऋणमाफी का निर्णय होने तक किसानों के खिलाफ रिकवरी, नोटिस और कुर्की की कार्रवाई पर रोक लगाई जाए।

बड़वाया ने रबी सीजन में पानी के अभाव के कारण जिन खेतों में बुवाई नहीं हो पा रही है, उनके रकबे के आधार पर किसानों को विशेष मुआवजा एवं जीवन-यापन सहायता देने की भी मांग की।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस: ब्लॉक में 1.40 लाख बच्चों को एलबेंडाजोल गोली खिलाने का लक्ष्य



खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। उज्जैन के नागदा में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर खाचरोद ब्लॉक में 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोर-किशोरियों को कृमि नाशक (कीड़े मारने की) गोलीयां खिलाने के महाअभियान का शुभारंभ किया गया

ब्लॉक स्तरीय मुख्य कार्यप्रम का शुभारंभ नई दिल्ली एवं प्रकाश नगर स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों पर बीएमओ सीडीपीओ शासकीय कन्या विद्यालय पर बीसीएम एवं ब्लॉक के 48 उपस्वास्थ्य केन्द्र पर सीएचओ द्वारा एवं 415 आंगनवाड़ी पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा आयोजित किया गया कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. संजीव कुमारवत एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के ब्लॉक परियोजना अधिकारी मुकेश वर्मा ने बच्चों को अपने हाथों से एलबेंडाजोल की गोली खिलाकर अभियान की शुरुआत की बीएमओ डॉ. संजीव कुमारवत ने बताया कि शांरीक और मानसिक विकास के लिए पेट को कृमि मुक्त रखना अत्यंत आवश्यक है पेट में कीड़े होने से बच्चों में एनीमिया (खून की कमी) और कुपोषण जैसी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं सीडीपीओ मुकेश वर्मा ने बताया कि संपूर्ण खाचरोद ब्लॉक में 1 वर्ष से 19 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 1,40,000 बालक-बालिकाओं को यह दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा यह गोलीयां सभी शासकीय-अशासकीय विद्यालयों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से निःशुल्क वितरित की जा रही हैं माँप-अप राउंड 9 अक्टूबर को विभागीय अधिकारियों ने जानकारी दी कि जो बच्चे किसी कारणवश आज दवा खाने से वंचित रह जाएंगे उन्हें घबराने की आवश्यकता नहीं है ऐसे शेष छूटे हुए सभी बच्चों को आगामी 9 अक्टूबर 2026 को आयोजित होने वाले माँप-अप राउंड के दौरान एलबेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी इस दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ता आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि वे अपने बच्चों को यह दवा अवश्य खिलवाएं और अभियान को सफल बनाएं।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान का हुआ शुभारंभ



आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 06 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ हुवे एन.डी. अभियान का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिनेश देहलवार सर के मार्गदर्शन में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ नरेंद्र सिंह परिहार द्वारा एलबेंडाजोल की गोली खिलाकर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं पी.एम.श्री बालक स्कुल आगर शहरी में किया गया। अभियान के दौरान 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों किशोर.किशोरियों एवं 20 से 49 वर्ष प्रजनन आयु वर्ग की महिलाये निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार एलबेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों एवं अन्य निर्धारित स्थानों पर स्वास्थ्य विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग तथा संबंधित विभागों के सहयोग से अभियान का संचालन किया जा रहा है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ नरेंद्र सिंह परिहार ने अपील की गई है कि वे अपने बच्चों को निर्धारित दिवस पर कृमिनाशक दवा अवश्य खिलवाएं। किसी कारणवश दिनांक 06 अक्टूबर 2026 को गोली नही खा पाये है तो दिनांक 09 अक्टूबर 2026 माँप अप दिवस के दिन एलबेंडाजोल की गोली अवश्य खिलाये। कृमि संक्रमण के कारण बच्चों में कमजोरीए खून की कमीए भूख में कमी तथा पढ़ाई एवं शारीरिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। नियमित कृमिनाशक दवा सेवन से बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार लाने में सहायता मिलती है। उक्त अमराल के दोपान प्रचार्य सरोज मंगल, वैक्सीन कोल्ड चेन मैनेजर अविनाश गेहलोत, सरोज कोल एवं शंकर बलवर्तियाँ मौजूद रहे।

बदनावर में 31 दिवसीय मासक्षमण तप की पूर्णता



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में चतुर्मास हेतु विराजित पूज्य साध्वी श्री ब्रह्ममी श्री जी महाराज साहब आदि ठाणा की पावन निश्रा एवं प्रेरणा से श्रीमती अनीता विनोद चौधरी ने 31 दिवसीय मासक्षमण तप (महामृत्युंजय तप) की कठोर साधना सफलतापूर्वक पूर्ण की है। इस महातप की पूर्णाहुति के सुअवसर पर चौधरी परिवार एवं श्रद्धालुओं के दमन और शरीर की मोह-ममता को जीतकर ईश्वर भक्ति में लीन होने की यह अनूठी आध्यात्मिक प्रक्रिया जैन संस्कृति की उत्कृष्ट पहचान है। इस पावन तपस्या की पूर्णाहुति पर श्री संघ एवं प्राचर्य द्वारा आयोजित दो दिवसीय धार्मिक महोत्सव में विभिन्न आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन होंगे। आयोजक चौधरी परिवार तथा श्री संघ के ट्रस्टियों ने बदनावर नगर एवं आसपास के समस्त सकल जैन समाज व धर्मप्रेमी बंधुओं से निवेदन किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर तपस्वी की अनुमोदना करें और दो दिवसीय आयोजनों में समिलित होकर धर्म लाभ प्राप्त करें।

प्रेमबाई का निधन



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम खेड़ा निवासी चम्पालाल नाहर पाटीदार की धर्मपत्नी और विनीश व राजेश की माताजी प्रेमबाई पाटीदार नाहर का 65 वर्ष की आयु में मंगलवार को निधन हो गया वह कुछ दिन से बीमार थे ।उनके दोनों पुत्रों ने मुखाग्नि दी। उनके निज निवास से अंतिम यात्रा निकाली गई। नागेश्वर मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार हुआ। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

12 हजार की पगार और अनदेखी से बिफरे कर्मचारियों की पीड़ा आई सामने



कहना है कि जब तक उनकी सुध नहीं ली जाएगी, तब तक वे काम पर नहीं लौटेंगे।

हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों की व्यथा बेहद मार्मिक है। आज के इस भीषण महंगाई के दौर में मात्र 12,000 प्रति माह के वेतन में किसी तरह अपने परिवार का पेट पालना उनके लिए एक रोज का संघर्ष बन चुका है। बदनावर नगर परिषद में लगभग 75 सफाई कर्मचारी दिन-रात शहर की गंदगी साफ करने में जुटे रहते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि इनमें से मात्र 5 से 7 कर्मचारी ही नियमित हैं। शेष सभी कर्मचारी वर्षों से दैनिक वेतनभोगी के रूप में अनिश्चितता के साये में काम करने को मजबूर हैं। सुबह-सवेरे उठकर पूरे नगर को चमकाने वाले इन कर्मचारियों को न तो

सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित

उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्यकर्ता-सहायिकाओं को विधायक ने किया सम्मानित

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरोद सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला बाल विकास परियोजना खाचरोद में आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को नगर के गणेश मंदिर परिसर में आंगन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उज्जैन जिला महिला मोर्चा से भारती चौहान रही वहीं विशिष्ट अतिथि मंडल अध्यक्ष मनीषा शर्मा,सेवा संकल्प अभियान प्रभारी विनोद चतुर्वेदी एवं पूर्व पाषंद कमलेश जी शर्मा रहे कार्यक्रम में नगर के पाषंदगण महिला मोर्चा के सदस्य,मंडल मंत्री सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की इस दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों के



रहे कार्यक्रम मेकार्यकर्ता सहायिकाओं मंजू जनवाल, रेनू पटेल,सविता त्रिवेदी, रेखा राठौड़, चांदनी मोदी, श्वेता चतुर्वेदी,सुनीता भाटी शबाना शाह, आनंद कुंवर भाटी,पूतम सोनी गायत्री माली,आरिफा बी,बबली बैरागी,मीरा चौहान सुनीता चौहान,वर्षा जनवाल, तबस्सुम बी एवं शकुंतला सोनी को सम्मानित किया गया अतिथियों ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के प्रारंभिक विकास पोषण एवं शिक्षा की महत्वपूर्ण कड़ी हैं इनके माध्यम से समुदाय तक शासन की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं को प्रभावी रूप से पहुंचाया जा रहा है अंत में आभार परियोजना अधिकारी मनोज जाट ने माना।

साइबर अपराधों से बचाव के लिए सजगता व सतर्कता जरूरी

लायंस क्लब ने कन्या हाईस्कूल में आयोजित की साइबर सुरक्षा कार्यशाला



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लायंस क्लब बदनावर द्वारा शासकीय कन्या उच्च विद्यालय में छात्राओं को डिजिटल ठगी और साइबर फ्रॉड से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता लायन सुजीत धोपड़पकर ने छात्राओं को ऑनलाइन फ्रॉड के तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला को संबोधित करते हुए लायन सुजीत धोपड़पकर ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने छात्राओं को

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य राम पाटीदार ने की। आयोजन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया, जिसके पश्चात छात्राओं ने सामूहिक रूप से सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका श्रीमती कल्पना परिहार ने किया तथा अंत में लायंस क्लब के सचिव विष्णु बैरागी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर लायंस क्लब के सदस्यों सहित विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

स्नेह में मनाया विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस, अद्वितीय और एकजुट संदेश के साथ प्रतिभाओं का सम्मान



नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिव्य ग ज न सशक्तिकरण एवं पुनर्वास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित लायंस ऑफ नागदा की स्थायी परियोजना स्नेह में मंगलवार को

विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस अद्वितीय और एकजुट थीम के साथ जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदकिशोर सांखला सहित अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। स्नेह म्यूजिकल बैंड ने प्रार्थना प्रस्तुत की।

स्नेह के संस्थापक डॉ. पंकज मारु ने सेरेब्रल पाल्सी के कारण, प्रभाव एवं इसके

प्रति जागरूकता की आवश्यकता पर जानकारी दी। फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. विजेंद्र सिंह डोडिया ने फिजियोथेरेपी, ऑक्स्पैशनल थेरेपी, स्पीच थेरेपी एवं विशेष शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. कविता सोनी ने समय पर पहचान, नियमित थेरेपी, परिवार के सहयोग एवं सामाजिक समावेशन को महत्वपूर्ण बताया।

इस अवसर पर स्नेह के बच्चों ने समूह एवं एकल नृत्य तथा गीतों की मनमोहक

प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सेरेब्रल पाल्सी के साथ चुनौतियों का सामना करते हुए विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को सम्मान-पत्र एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही सोनू मारु का जन्मदिन भी केक काटकर मनाया गया।

कार्यक्रम में स्नेह का स्टाफ, बच्चे एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। संचालन उपनिदेशक महेश चन्द्र राठौर ने किया तथा आभार डॉ. विजेंद्र सिंह डोडिया ने माना।

रामवास में धू-धू कर जली यात्री बस, 12 यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

टायर फटने के बाद बिगड़ा संतुलन, देखते ही देखते आग ने पूरी बस को घेरा- चेचिस के अलावा कुछ नहीं बचा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन-इंदौर मार्ग पर मंगलवार दोपहर एक यात्री बस अचानक आग की लपटों में घिर गई। उज्जैन से करीब 15 किमी दूर रामवास क्षेत्र में दोपहर 12.15 बजे हुए हादसे में बस में सवार करीब 12 यात्रियों ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। बस से धुआं उठते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही मिनट में आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया और बस धू-धू कर जलने लगी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रामवास क्षेत्र में चलते समय बस का टायर अचानक फट गया। इसके बाद बस का संतुलन बिगड़ा और इसी दौरान उसमें आग लग गई। आग की लपटें उठते ही यात्रियों ने किसी तरह बस से बाहर निकलकर खुद को सुक्षित किया। हादसे में किसी यात्री के हताहत होने



की सूचना नहीं है।

सूचना के पौन घंटे बाद पहुंचीं दमकल- बस में आग लगने की सूचना के बाद मौके पर दमकल

विभाग को बुलाया गया। करीब पौन घंटे बाद चार दमकल वाहन घटनास्थल पर पहुंचे। तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। दमकलकर्मियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशकत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बस पूरी तरह जल चुकी थी। आग बुझने के बाद मौके पर बस का केवल चेचिस ही बचा था।

बस की पहचान पर कलेक्टर और आरटीओ के बयान अलग- हादसे के बाद सबसे बड़ा सवाल बस की पहचान को लेकर खड़ा हो गया है। जली बस पुरानी डीजल इंजन वाली है। बस पर भावा रां का रेंटडिम लगा था और कांच पर ‘मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा’ लिखा दिखाई दे रहा था। सामने आए वीडियो में भी बस के

आगे ‘मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा परिवहन’ लिखा नजर आ रहा है। हालांकि बस की पहचान को लेकर अधिकारियों के बयान अलग-अलग हैं। उज्जैन कलेक्टर रोशन सिंह ने इसे निजी ऑपरेटर की बस बताया है। वहीं आरटीओ संतोष मालवीय के अनुसार, यह सूत्र सेवा की बस थी। ऐसे में जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि जली बस वास्तव में किस सेवा और ऑपरेटर से संबंधित थी।

गडकरी के कार्यक्रम में भी ले जाई गई थी बस- आरटीओ संतोष मालवीय के मुताबिक, जलने वाली बस को हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के कार्यक्रम के लिए भोपाल ले जाया गया था। बस की पहचान और उसके संचालन से संबंधित दस्तावेजों की जानकारी संबंधित विभाग से ली जा रही है।

25 सितंबर को शुरू हुई थी मुख्यमंत्री सुगम

परिवहन सेवा- मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का प्रदेश स्तर पर शुभारंभ 25 सितंबर 2026 को भोपाल के बीएचईएल दशहरा मैदान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने किया था। इस दौरान प्रदेश के सात प्रमुख शहरों के लिए 351 इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों को हरी झंडी दिखाई गई थी। इसके बाद उज्जैन में भी नई परिवहन सेवाओं की शुरुआत की गई। 27 सितंबर को महाकाल लोक से पीएम ई-बस सेवा और उज्जैन दर्शन सेवा का शुभारंभ किया गया था। धार्मिक पर्यटन को देखते हुए उज्जैन को 10 बसें मिलीं हैं। हादसे के बाद अब बस की पहचान, फिटनेस, संचालन और आग लगने के वास्तविक कारण की जांच अहम हो गई है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की पड़ताल कर रहे हैं।

हुसैनी अपार्टमेंट के बोहरा परिवार के फ्लैट में चोरी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जीवाजीगंज थाना क्षेत्र के जुना सोमवारिया स्थित 52 फ्लैट हुसैनी अपार्टमेंट में बीती रात चोरों ने एक फ्लैट का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर फ्लैट से सोने के जेवरात सहित करीब 25 हजार रुपए नागद लेकर फरार हो गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई जा रही है।

हुसैनी अपार्टमेंट में हुई चोरी की सूचना मिलने पर जीवाजीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार फ्लैट नंबर 206 में

जुमाना पति सादिक मानपुरवाला अकेली रहती है। उनके पति का कुछ वर्ष पहले निधन हो चुका है। परिवार के सदस्य काईद जोहर मानपुरवाला ने बताया कि रात करीब 11३5 बजे जुमाना अपने फ्लैट में कपड़े धोने के बाद ऊपर स्थित परिजन के फ्लैट में सोने के लिए चली गई थीं। सुबह वह

बच्चों को स्कूल छोड़ने गई। स्कूल से लौटकर जब अपने फ्लैट पर पहुंचीं तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला।दरवाजा खुला देखकर वह घबरा गई और उन्होंने परिजनों को इसकी जानकारी दी। अंदर जाकर देखा तो अलमारी के ताले टूटे हुए थे और सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। जांच करने पर सोने के जेवरात और करीब 25 हजार रुपए नकद गायब मिले। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मौके पर एफएसएल टीम को बुलाकर फिंगरप्रिंट सहित अन्य साक्ष्य जुटाए। डॉंग स्क्याड की मदद से भी चोरों के बारे में सुराग तलाशे गए। अपार्टमेंट में सुरक्षा के लिए कैमरे लगे होने के बावजूद घटना के समय सभी कैमरे बंद पाए गए, जिसके कारण चोरों की गतिविधियां कैमरे में कैद नहीं हो सकीं। पुलिस आसपास के क्षेत्र में लगे अन्य कैमरों और अपने सूत्रों के माध्यम से आरोपियों का पता लगाने में जुटी हुई है।

निकास से इंदौर गेट तक एलिवेटेड ब्रिज का काम शुरू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। निकास से इंदौर गेट तक एलिवेटेड ब्रिज की नींव के लिए सोमवार से पिलर की खुदाई शुरू हो गई। क्षीर सागर चौराहे की ओर भी गड्डे खोदे जा रहे हैं। इसके जमाई करीब 1000 करोड़ रुपए के इस बड़े प्रोजेक्ट का काम आगर रोड के बाद दूसरे हिस्से में भी जमीन पर उतर गया है।

एलिवेटेड ब्रिज निर्माण के लिए 11 मीटर चौड़े मार्ग पर पिलर निर्माण के कारण कई हिस्सों में सड़क बंद करनी पड़ेगी और यातायात डायवर्ट होगा। यानी ब्रिज बनने से पहले शहर को ट्रैफिक की बड़ी चुनौती से गुजरना होगा। इधर आगर रोड पर 24 मीटर चौड़े एलिवेटेड ब्रिज का काम दो माह से चल रहा है। निकास से इंदौर गेट तक बनने वाले ब्रिज के लिए सड़क किनारे निशान लगाए जा चुके हैं। प्रभाहित जमीन और भवनों के अधिग्रहण की कार्रवाई भी जारी है। प्रशासन ने डायवर्टेड रूट तैयार कर लिया है और इसी के अनुसार निर्माण कार्य आगे बढ़ाया जाएगा।

दोनों एलिवेटेड ब्रिज को भविष्य में मेट्रो संचालन की संभावना को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। फिलहाल इनका उपयोग सड़क यातायात के लिए होगा, जबकि बाद में ऊपरी स्तर पर मेट्रो चलाने का प्रस्ताव है। शासन से राशि मंजूर होने और टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब निर्माण शुरू हो चुका है। लक्ष्य दिसंबर 2027 तक काम पूरा करने का है, ताकि सिंहस्थ 2028 में इसका उपयोग किया जा सके।

बाइक सवार युवक के सिर पर चढ़ा वाहन का पहिया, मौत



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सड़क हादसे लगातार सामने आ रहे हैं। एक बार फिर आगर रोड पर चार दिन में दूसरी दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई। बाइक सवार दो दोस्तों को वाहन ने टक्कर मार दी। एक दोस्त के सिर पर पहिया चढ़ गया। जिसकी मौके पर ही मौत हो गई।

दूसरा दोस्त घायल हुआ है।

चिमनगंज मंडी थाना क्षेत्र के दरगाह मंडी के पास रात में बाइक पर सवार बापुनगर का रहने वाला दीपक पिता दुर्राप्रसाद सोनी अपने दोस्त आकाश सूर्यवंशी के साथ नानाखेड़ा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती दोस्त को देखने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान बाइक को वाहन ने टक्कर मार दी। दीपक और आकाश गिर पड़े, चालक ने भागने का प्रयास किया, इसी हड़बड़ी में जमीन पर गिरे दीपक के सिर पर पहिया चढ़ गया। उसकी चीख भी नहीं निकल सकी। सिर पूरी तरह से चकनाचूर हो गया। मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। दोस्त मामूली घायल हुआ था। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। वाहन ट्रैक्टर होना सामने आया है जिसका चालक मौके से भाग निकला था। पुलिस ने मामले में दुर्घटना का प्रकरण दर्ज किया। मंगलवार सुबह दीपक का पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान सामने आया कि दीपक विश्वा चलाता था। उसका दोस्त प्रायवेट नौकरी करता है। विदित हो कि चार दिन पहले आगर रोड पर दोस्त से मिलकर फिर लौट रहे एक्टिवा सवार युवक को पीछे से आए चार पहिया वाहन ने बुरी तरह कुचल दिया था। घटना में युवक की मौत हो गई थी। अब तक पुलिस वाहन का पता नहीं लगा पाई है जबकि दुर्घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था।

सेवा ज्योति से जगमगाणा विकसित भारत का संकल्प, उज्जैन में जुटेंगे बड़ी संख्या में कार्यकर्ता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज बुधवार को जिला मुख्यालय उज्जैन में ‘सेवा ज्योति संकल्प यात्रा’ एवं ‘विकसित भारत संकल्प सभा’ का भव्य आयोजन किया जाएगा। स्थानीय आस्था गार्डन, दशहरा मैदान में सुबह 9 बजे से होने वाले इस आयोजन में जिले की पांचो विधानसभाओं से कार्यकर्ता, हितग्राही, विशिष्टजन एवं आमजन शामिल होंगे।

भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर उनके प्रति आभार व्यक्त करने तथा वर्ष 2047 तक

भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ जिले में सेवा ज्योति संकल्प यात्रा निकाली जाएगी। कार्यक्रम स्थल आस्था गार्डन उज्जैन पर सुबह 9 बजे पांचो विधानसभाओं से आने वाले कार्यकर्ताओं का एकत्रीकरण होगा। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। सुबह 10 बजे अतिथियों के आगमन के पश्चात वंदेमातरम् गान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के वर्युअल उद्बोधन के बाद सुबह 10~15 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्युअल उद्बोधन बड़ी एलईडी स्क्रीन पर सीधा प्रसारित किया जाएगा।

सुबह 10~55 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा

‘विकसित भारत 2047’ का सामूहिक संकल्प दिलाया जाएगा। इसके पश्चात स्थानीय अतिथियों द्वारा जिले की सभी विधानसभाओं के लिए सेवा ज्योति प्रज्वलित की जाएगी। सामूहिक राष्ट्रगान के बाद सेवा ज्योति यात्राएं अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों के लिए रवाना होंगी। उज्जैन जिला मुख्यालय से प्रज्वलित पांचों सेवा ज्योतियों को कार्यकर्ता यात्रा के रूप में बड़नगर, नानादा-खाचरोद,घडिया,महिंदपुर एवं तराना विधानसभा क्षेत्रों में लेकर जाएंगे। विभिन्न स्थानों पर यात्रा का स्वागत होगा तथा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़ ने जिले के सभी

भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं जिला पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर ‘सेवा ज्योति संकल्प यात्रा’ एवं ‘विकसित भारत संकल्प सभा’ को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का आह्वान किया है।जिला मीडिया प्रभारी गजेंद्र परमार ने बताया कि कार्यक्रम में संभाग प्रभारी डॉं लता वानखेड़े, जिला प्रभारी बबिता परमार,सांसद अनिल पिरोजिया, विधायकगण डॉं तेजबहादुर सिंह चौहान,डॉं सतीश मालवीय, जितेन्द्र पंड्या, वर्ष विधायक बहादुर सिंह चौहान, ताराचंद गोयल,अभिजन की टोली,सभी मोर्चा जिलाध्यक्ष ,जनप्रतिनिधि,सहित वरिष्ठजन, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

महाकाल क्षेत्र में तीन और सड़कों का चौड़ीकरण शुरू, बाधक हिस्सों पर चला निगम का हथौड़ा

गाड़ी अड्डा- निकास, बंबई वाली धर्मशाला- दानी गेट और गुदरी- हरसिद्धि पाल मार्ग पर काम तेज- चौड़ी सड़कों पर दोबारा कब्जा किया तो होगी सख्त कार्रवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 से पहले उज्जैन की सड़कों को चौड़ा करने का अभियान अब महाकाल क्षेत्र में और तेज हो गया है। पहले से चल रही कार्रवाई के बी उच्च तीन और प्रमुख मार्गों पर चौड़ीकरण का काम शुरू कर दिया गया।

गाड़ी अड्डा से निकास चौराहा, बंबई वाली धर्मशाला से दानी गेट और गुदरी चौराहा से पानदरीबा होते हुए हरसिद्धि पाल तक सड़क को चौड़ा किया जा रहा है। इन मार्गों में जहां भी मकान, दुकान या अन्य निर्माण सड़क की तय सीमा में बाधक बन रहे हैं, उनके हिस्से हटाए जा रहे हैं।

महाकाल मंदिर के अवतिका द्वार से महाकाल घाटी तक 200 मीटर लंबे मार्ग का चौड़ीकरण की कार्रवाई भी जारी है। यहां 39 मकानों, दुकानों और होटलों के बाधक हिस्से हटाए जा रहे हैं। वर्तमान में यह मार्ग 12



मीटर चौड़ा है, जिसे भविष्य की जरूरतों के अनुसार 24 मीटर किया जाना है।

तीन मार्गों पर एक साथ शुरू हुआ काम- गाड़ी अड्डा से निकास चौराहा तक करीब एक किलोमीटर लंबे मार्ग को 18 मीटर चौड़ा किया जा रहा है। सड़क चौड़ीकरण के साथ नाली निर्माण का काम भी चल रहा है। इसी तरह बंबई वाली धर्मशाला से दानी गेट तक करीब 470 मीटर मार्ग को 18 मीटर चौड़ा किया जाएगा। गुदरी चौराहा से पानदरीबा

होते हुए हरसिद्धि पाल तक करीब 570 मीटर सड़क को 15 मीटर चौड़ा किया जा रहा है। यह मार्ग महाकाल की शाही सवारी और सिंहस्थ की पेशवाई के प्रमुख रास्तों में शामिल है। ऐसे में यहां यातायात व्यवस्था बेहतर करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

चौड़ीकरण की कड़ी महाकाल क्षेत्र तक पहुंची-शहर के 64 प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण की योजना के तहत पहले ही कई हिस्सों में कार्रवाई हो चुकी है। खजुरगवाली मस्जिद से केडी गेट और कोयला फाटक से कंठाल चौराहा होते हुए सती गेट तथा खड़े हनुमान मंदिर तक सड़क चौड़ी की जा चुकी है। अब इसके आगे महाकाल क्षेत्र में भी कार्रवाई गति पकड़ रही है। छत्री चौक से गोपाल मंदिर के बीच सड़क चौड़ीकरण के लिए शाही मस्जिद का करीब 10 फीट बाधक हिस्सा हटाने की

कार्रवाई पिछले सप्ताह से जारी है। प्रशासन का कहना है कि सभी सड़क चौड़ीकरण कार्य तय समय-सीमा में पूरे किए जाएंगे।

आयुक्त ने मौके पर पहुंचकर दिए निर्देश- नए मार्गों पर काम शुरू होने के बाद नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने प्रशासनिक अमले के साथ मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सड़क चौड़ीकरण के साथ नाली और सीवेज लाइन जैसे काम भी समन्वय से कराने की निर्देश दिए, ताकि बाद में सड़क खोदने की जरूरत न पड़े। अपर आयुक्त संतोष टैगोर, कार्यपालन यंत्री हिमांशु तिवारी और भवन अधिकारी राजकुमार राठौर सहित निगम का अमला मौजूद रहा।

जहां लोगों ने खुद हटाए बाधक हिस्से- चौड़ीकरण की कार्रवाई में कई जगह रहवासी और कारोबारी खुद आगे आकर अपने मकान और प्रतिष्ठानों के चिह्नित हिस्से हटा

रहे हैं। प्रशासन इसे जनसहयोग के रूप में देख रहा है। इससे कार्रवाई में विवाद और समय दोनों कम हो रहे हैं।

चौड़ी सड़क पर दोबारा कब्जा किया तो निगम नहीं छोड़ेगा- निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने साफ कर दिया कि चौड़ी की गई सड़कों पर दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। ढाबा रोड के मावा बाजार क्षेत्र में नाली के ऊपर ब्लॉक लगाकर किया गया अवैध निर्माण निगम की रिमूवल गैंग ने मौके पर ही हटा दिया। संबंधित व्यक्ति पर पांच हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फुटपाथ, नाली या सड़क की जमीन पर दोबारा कब्जा करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई के साथ सामान जब्त किया जाए। चौड़ीकरण के बाद सड़क की जमीन पर फिर कब्जा न हो, इसकी नियमित निगरानी भी की जाएगी।

24 घंटे में चोरी की ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद, आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। खेत के गोदाम के बाहर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी होने के मामले का खाचरोद पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 1.50 लाख रुपए कीमत की चोरी की ट्रैक्टर-ट्रॉली और वारदात में प्रयुक्त ट्रैक्टर जब्त किया है।

बटलावदी निवासी राजेश पाटीदार ने 3 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि खेत स्थित गोदाम के बाहर खड़ी ट्रॉली गायब है। पुलिस ने केस दर्ज कर घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपी के आने-जाने के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने बटलावदी निवासी शरद पिता रामेश्वर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने 1 अक्टूबर की रात ट्रैक्टर से ट्रॉली जोड़कर चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी की ट्रैक्टर-ट्रॉली और वारदात में इस्तेमाल ट्रैक्टर बरामद कर लिया। कार्रवाई में निरीक्षक धनसिंह नलवाया, निरीक्षक प्रतीक यादव, साइबर सेल प्रभारी तथा प्रधान आरक्षक दीपक पाल, आरक्षक ईश्वर पहिरार, जितेन्द्र सिंह सेंगर और प्रवीण कुशवाह की सहायनीय भूमिका रही।

पांच माह बाद खुला चोरी का राज, एक गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी में पांच माह पहले हुई नकबजनी का खाचरोद पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने एक आरोपी अर्जुन चन्द्रवंशी (22) को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब १.40 लाख कीमत के चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। वारदात में शामिल उसका साथी मोहसिन युसुफ फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। 10 मई को फरियादी रईस पिता अजिज परिवार के साथ शादी समारोह में गया था। वापस लौटने पर मकान के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर अलमारी का ताला तोड़कर बदमाश सोने-चांदी के जेवरात और नकदी ले गए थे। मामले में 12 मई को थाना खाचरोद में अपराध क्रमांक 185/2026 दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन और एसपी ग्रामीण करणदीप सिंह के निर्देशन में एसडीओपी आकांक्षा बैखोटे के नेतृत्व में थाना पुलिस व साइबर सेल ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। साक्ष्यों के आधार पर जुना शहर निवासी अर्जुन को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने मोहसिन के साथ मिलकर वारदात करना स्वीकार किया। आरोपी के हिस्से में आए चांदी के जेवर पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। फरार मोहसिन की तलाश जारी है।

स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनीं सम्पत दीदी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम जगोटी की श्रीमती सम्पत दीदी का परिवार कभी आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। पति कृषि कार्य करते थे और प्रकृतिक आपदाओं के कारण आय प्रभावित होने से परिवार का खर्च चलाना भी मुश्किल था। वर्ष 2019 में सम्पत दीदी आजीविका मिशन के तहत राधा स्वामी स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह की बैठकों और प्रशिक्षण से उनका आत्मविश्वास बढ़ा तथा उन्होंने स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाया।